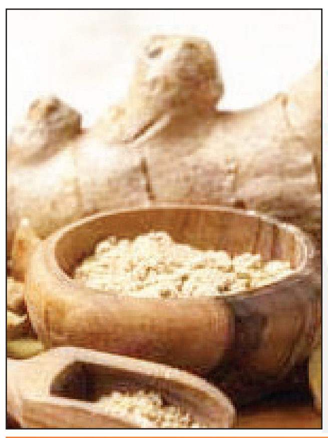

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अदरक को लंबे समय तक कैसे करें स्टोर? फ्रेश रखने के लिए पेज: 7

मैंने कभी ए ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 47 | मंगलवार 19 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

छत्तीसगढ़ पुलिस अब होगी हाई-टेक, अमित शाह ने दी 400 डायल-112 वाहनों की सौगात

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 18 मई, 2026 को रायपुर के माना पुलिस परेड ग्राउंड में छत्तीसगढ़ पुलिस की उन्नत सीजी डायल-112 आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा और मोबाइल फोरेंसिक वैन के बेड़े का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साई और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह की उपस्थिति में, श्री शाह ने राज्य भर में आपातकालीन सेवाओं और फोरेंसिक जांच को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 400 उन्नत डायल-112 आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहनों और 32 मोबाइल फोरेंसिक वैन का उद्घाटन किया। ह्लएकके नंबर, सब्बो बारह्व थीम के तहत शुरू की गई यह नई आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, संकट के समय त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा आपात स्थितियों को एक ही मंच पर एकीकृत करती है।

नॉर्वे से पीएम मोदी का दुनिया को संदेश, सैन्य संघर्ष नहीं, बातचीत से निकलेगा हल

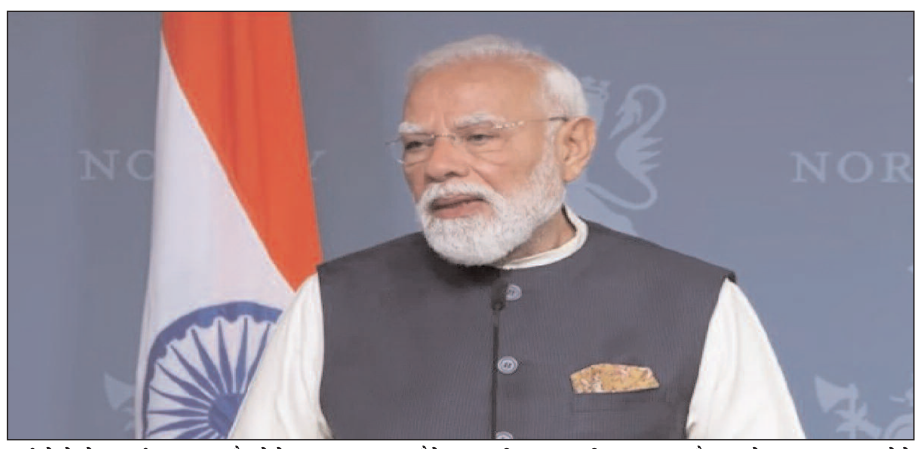

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दोहराया कि सैन्य संघर्षों से शांतिपूर्ण समाधान नहीं मिल सकता और मध्य पूर्व के युद्धों सहित सभी युद्धों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही होना चाहिए। अपने नॉर्वे के समकक्ष जोनास गहर स्टोरे के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री ने वैश्विक आतंकवाद के अंत का आह्वान किया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े रहने के लिए नॉर्वे को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत और नॉर्वे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि मित्रों, आज दुनिया अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, दुनिया भर के कई क्षेत्रों में संघर्ष चल रहा है। ऐसे समय में, भारत और यूरोप अपने संबंधों में एक नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रहे हैं। अपने संबोधन में उन्होंने भारत और यूरोप के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का भी जिक्र किया और इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया। उन्होंने कहा कि एफटीए दोनों देशों के बीच साझा प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने का खाका है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि एफटीए भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आकर्षित करेगा और अगले 15 वर्षों में दस लाख से अधिक नौकरियां पैदा करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि नॉर्वे प्रकृति और मानव प्रगति के बीच सामंजस्य का एक "सुंदर उदाहरण" है। उन्होंने कहा, कल नॉर्वे के संविधान दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से नॉर्वे की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, जो एक मजबूत और जीवंत लोकतंत्र है। भारत, नॉर्वे के साझा हित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, स्टोरे ने कहा कि भारत और नॉर्वे के साझा हित हैं और वे वैश्विक समुदाय में समान नियमों का पालन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा पर उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग और साझा महत्वाकांक्षा को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत और नॉर्वे के बीच व्यापार दोगुना हो गया है और उन्होंने कई समझौतों को औपचारिक रूप दिया है। स्टोरे ने यह भी कहा कि भारत और नॉर्वे हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, समुद्री सेवाओं और समुद्री भोजन जैसे क्षेत्रों में निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने संबंधों को एक हरित रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा रहे हैं, जो हरित परिवर्तन के लिए ज्ञान, संसाधनों और महत्वाकांक्षाओं पर एक साथ काम करने के लिए एक आधार प्रदान करता है, जिसमें दोनों देशों की सफलता एक दूसरे पर निर्भर करती है।

न्होंने कहा कि एफटीए दोनों देशों के बीच साझा प्रगति.....

अपने संबोधन में उन्होंने भारत और यूरोप के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का भी जिक्र किया और इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया। उन्होंने कहा कि एफटीए दोनों देशों के बीच साझा प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने का खाका है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि एफटीए भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आकर्षित करेगा

दक्षिण चीन सागर में चीन को मिलेगा कड़ा जवाब? वियतनाम और दक्षिण कोरिया की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए राजनाथ सिंह

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को वियतनाम और दक्षिण कोरिया की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। इस दौरे का उद्देश्य सैन्य उपकरणों के संयुक्त उत्पादन सहित रणनीतिक रक्षा सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा करना है। वियतनाम की राजधानी हनोई के लिए रवाना होने से पहले, सिंह ने कहा कि दोनों एशियाई देशों की उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य रक्षा औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना, समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना होगा। वियतनाम की यात्रा समाप्त करने के बाद, रक्षा मंत्री मंगलवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दक्षिण कोरिया जाएंगे। वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की नयी दिल्ली यात्रा के दौरान दोनों देशों द्वारा अपने संबंधों को उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने के कुछ दिनों बाद रक्षा मंत्री सिंह का यह वियतनाम दौरा हो रहा है। हनोई में, सिंह वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री जनरल फान वान जियांग के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। ऐसा समझा जाता है कि दोनों पक्ष दक्षिण चीन सागर की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा करेंगे। इस क्षेत्र में हाल के वर्षों में चीन की सैन्य गतिविधियों में इजाफा हुआ है। हाइड्रोकार्बन के विशाल स्रोत, दक्षिण चीन सागर पर चीन के व्यापक संप्रभुता के दावों को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। क्षेत्र के कई देशों, जैसे वियतनाम, फिलीपीन और ब्रुनेई द्वारा भी दक्षिण चीन सागर पर अलग-अलग दावे किए जाते रहे हैं। भारत और कई अन्य लोकतांत्रिक देश इन विवादों के शांतिपूर्ण समाधान तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनों, विशेष रूप से समुद्री कानूनों से संबंधित यूएनसीएलओएस (संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि) के पालन पर जोर देते रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सिंह और जनरल जियांग द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यापक वार्ता करेंगे, जिसमें सैन्य साजो सामान का संयुक्त विकास भी शामिल है। दक्षिण कोरिया की अपनी यात्रा के दौरान, सिंह राष्ट्रीय रक्षा मंत्री आन ग्यू-बैक के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों मंत्री दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए नयी पहल पर विचार-विमर्श करेंगे। वे साझा हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा करेंगे।

प्यार से नहीं माने तो दूसरा तरीका अपनाएंगे, सड़कों पर नमाज को लेकर सीएम योगी का 'शिफ्ट प्रणाली' प्लान

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नमाज नियमित रूप से अदा की जानी चाहिए और जनता की असुविधा से बचने के लिए जरूरत पड़ने पर इसे बारी-बारी से भी अदा किया जा सकता है। लखनऊ में एक जनसभा में इस मुद्दे को संबोधित करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रशासन पहले समझाने-बुझाने के जरिए ही लोगों को नमाज पढ़ने के लिए मनाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आपको नमाज अदा करनी ही होगी, आप अपनी बारी में पढ़ सकते हैं हम आपको प्यार से मना लेंगे, अगर आप नहीं मानते हैं, तो हम कोई दूसरा तरीका अपनाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़कें आवागमन के लिए हैं और सड़कों पर नमाज पढ़कर यातायात अवरुद्ध करने के किसी भी व्यक्ति के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुझसे अक्सर पूछा जाता है कि क्या उत्तर प्रदेश में लोग सचमुच सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ते हैं? मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि ऐसा बिल्कुल नहीं होता झ जाकर खुद देख लीजिए। सड़कें आवागमन के लिए हैं। क्या कोई भी चौराहे पर आकर तमाशा खड़ा कर यातायात अवरुद्ध कर सकता है? सार्वजनिक आवागमन में बाधा डालने का किसी को क्या अधिकार है? मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि यदि आवश्यक हो तो बारी-बारी से नमाज पढ़ने की व्यवस्था की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने मुझसे कहा, ह्ययह कैसे संभव होगा, हमारी संख्या बहुत अधिक है? हमने जवाब दिया कि बारी-बारी से नमाज पढ़ी जा सकती है। यदि घर में जगह नहीं है, तो उसी के अनुसार संख्या का प्रबंधन करें। अनावश्यक भीड़ नहीं बढ़ानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कानून का शासन सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होता है और सार्वजनिक स्थानों का दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार का शासन ही कानून का शासन है। यह सभी पर समान रूप से लागू होता है। नमाज पढ़ना अनिवार्य है आप अपनी ड्यूटी के दौरान पढ़ सकते हैं। हम इसे रोकेंगे नहीं, लेकिन सड़क पर नहीं। मुख्यमंत्री योगी ने पहले भी इसी तरह के बयान दिए हैं, खासकर 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान, जब उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर सड़कों पर नमाज पढ़ने की अनुमति देने का आरोप लगाया था और दावा किया था

सुवेंदु सरकार का बड़ा ऐलान, पार्क सर्कस हिंसा के बाद कहा- बंगाल से गुंडाराज का सफाया होगा

नई दिल्ली एजेंसी: कोलकाता के तिलजाला में बुलडोजर कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंके जाने की घटना के एक दिन बाद, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और जोर देकर कहा कि उनकी सरकार तोड़फोड़ के खिलाफ "शून्य सहिष्णुता" की नीति अपनाती है। अधिकारी, जिन्होंने इसी महीने की शुरूआत में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, ने आगे चेतावनी दी कि उनकी सरकार पुलिसकर्मियों पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में जरा भी संकोच नहीं करेगी। अधिकारी ने रविवार को हुई हिंसा स्थल के दौरे के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कश्मीर में अब ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। बंगाल में लोग एक तरह की ढिलाई के आदी हो गए थे। उन्हें लगता था कि सरकार उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी। अब पुलिस कानून के अनुसार सख्ती से कार्रवाई करेगी। वे दिन चले गए जब पुलिसकर्मी घायल हो जाते थे और पुलिस मंत्री वातानुकूलित कमरे में बैठकर सब कुछ देखते रहते थे। उन दिनों को भूल जाइए। अब से बंगाल से गुंडागर्दी का सफाया कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि हिंसा में छह पुलिसकर्मी और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान घायल हो गए। उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना के संबंध में 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने यह भी कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध किया है कि जब तक वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाती, पश्चिम बंगाल में अर्धसैनिक बलों की 40 कंपनियों को तैनात रहने दिया जाए। उन्होंने लोगों से राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस और सरकार की मदद करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने चेतावनी दी, पत्थरबाजी करना या धार्मिक नारों का दुरुपयोग करके माहौल खराब करना। बंगाल में किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तमिलनाडु में टीवीके सरकार पर उदयनिधि स्टालिन का बड़ा हमला, बोले- जल्द सामने आएगा असली चेहरा

नई दिल्ली एजेंसी: द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को दावा किया कि तमिलनाडु की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नीत सरकार जल्द ही बेनकाब हो जाएगी। यहां एक विवाह समारोह में उदयनिधि स्टालिन ने कहा, सरकार बने महज 10 दिन हुए हैं और महिलाएं, युवा तथा वर्तमान पीढ़ी (जेन-जेड) इस प्रशासन का असली चेहरा पहचानने लगी है। जैसे-जैसे वक्त बीतेगा, सत्ता में बैठे लोग खुद को और भी उजागर करते जाएंगे। उन्होंने कहा, वक्त के साथ और भी सच्चाइयां लोगों के सामने आएंगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा, इसलिए हम एक बार फिर जनसेवा और जमीनी काम में जुट जाएं। जैसा हमारे नेता एम.के. स्टालिन हमेशा कहते हैं- सत्ता में रहते हुए ही नहीं, विपक्ष में रहकर भी काम करें। केवल अपने मतदाताओं के लिए नहीं, बल्कि उनके लिए भी काम करें जिन्होंने हमें वोट नहीं दिया। द्रमुक की सत्ता में वापसी का भरोसा जताते हुए उदयनिधि ने कहा कि पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है। उन्होंने कहा, चुनाव में जीत और हार तो लगी रहती है। एक सामाजिक आंदोलन के रूप में द्रमुक हमेशा की तरह जनसेवा में लगी रहेगी और हम भी इस प्रतिबद्धता पर अडिग रहेंगे।

पार्टी नेता स्टालिन के मार्गदर्शन में सभी से जनकल्याण के काम जारी रखने की अपील करते हुए द्रमुक नेता ने कहा, सूरज (द्रमुक का चुनाव चिह्न) कभी डूबता नहीं, फिर सूर्य का उदय होगा और उसकी रोशनी में तमिलनाडु फिर फलेगा-फूलेगा।

नीट पेपर ली पर गरजे तेजस्वी यादव, बोले- 'सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है'

बिहार एजेंसी: बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को नीट-यूजी 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्ट व्यक्तियों और अपराधियों को संरक्षण दे रही है। पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं नई नहीं हैं और बिहार में भी ये पहले कई बार हो चुकी हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए सरकार के शासन में भ्रष्ट लोगों को संरक्षण दिया जाता है और अपराधियों को पनाह दी जाती है। यह पहली बार नहीं है जब नीट का पेपर लीक हुआ है। बिहार में भी पेपर लीक की घटनाएं बार-बार हो चुकी हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं के संबंध में किसी भी वरिष्ठ अधिकारी या भाजपा नेता को सजा नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि अभी तक न तो किसी वरिष्ठ अधिकारी को और न ही किसी भाजपा नेता को सजा मिली है और न ही उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है। इससे पहले, रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी। उन्होंने पर कहा कि नीट 2026 पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द नहीं हुई। मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई ने जांच शुरू की। एक समिति गठित की गई। नीट 2026: पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। मंत्री ने अभी भी इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई फिर से जांच कर रही है। एक और समिति गठित की जाएगी। मोदी, देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है - उनका जवाब दीजिए! बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? इस 'परीक्षा पेपर विवाद' पर आप बार-बार चुप क्यों हैं? बार-बार असफल हो रहे शिक्षा मंत्री को आप बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं? इस बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रविवार को आरोपी मनीषा गुरुनाथ मंधारे को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया और आगे की जांच के लिए 14 दिन की हिरासत मांगी। मंधारे राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के पैनल का हिस्सा हैं

बस्तर में अमित शाह का नया उद्देश्य, बोले- नक्सलियों का सफाया नहीं, विकास हमारा लक्ष्य है

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नेतानार गांव में 'जन जन सुविधा केंद्र' मॉडल का उद्घाटन किया, जिससे 2013 से कार्यरत एक सुरक्षा चौकी को आधिकारिक तौर पर आदिवासी समुदाय के लिए एक समर्पित कल्याण और सेवा केंद्र में परिवर्तित कर दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, शाह ने इस शुभारंभ को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और नागरिकों को आश्वासन दिया कि नव स्थापित सुविधा अगले छह महीनों के भीतर स्थानीय जीवन का एक जीवंत और सक्रिय केंद्र बन जाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि आज वास्तव में एक ऐतिहासिक दिन है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मात्र छह महीनों के भीतर, यह केंद्र, जो वर्तमान में केवल एक सरकारी पहल प्रतीत होता है, स्थानीय आदिवासियों की उपस्थिति और हंसी से जीवंत हो उठेगा। जिस भूमि पर मैं आज खड़ा हूं, वह स्वयं भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए एक पवित्र तीर्थ स्थल है। यह शहीद वीर गुंडा धुर की जन्मभूमि और कार्यक्षेत्र है। आज, उनसे प्रेरणा लेते हुए, नेतानार शिविर, जो 2013 से एक सुरक्षा चौकी के रूप में कार्य कर रहा है, को आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए समर्पित एक सेवा केंद्र में परिवर्तित किया जा रहा है। अमित शाह ने 'नियाद नेल्लानार' योजना के समग्र उद्देश्य पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प शहरी विकास, आवश्यक सुविधाओं और आरएसएस स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक पुनर्वास कार्यक्रम पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य 3,000 आदिवासी युवाओं को साक्षर बनाना और उन्हें समाज में एकीकृत करना है। जब नक्सलवाद को समाप्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया था, तब इसका उद्देश्य नक्सलियों का सफाया करना नहीं था, बल्कि इस क्षेत्र के गरीब आदिवासी लोगों के जीवन में बड़े शहरों में उपलब्ध सभी सुविधाओं को लाना था। मुझे यह जानकर खुशी है कि 'नियाद नेल्लानार' नामक योजना के माध्यम से हमारे मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और केदार कश्यप (छत्तीसगढ़ मंत्री) हर गांव में सस्ते अनाज की दुकानें खोल रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि हर गांव में प्राथमिक विद्यालय खोले जा रहे हैं... हर गरीब व्यक्ति को उसके घर पर पीने का पानी उपलब्ध कराने का काम चल रहा है। आधार कार्ड और राशन कार्ड जारी किए जा रहे हैं। शाह ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और भारत सरकार मिलकर 3000 युवाओं के पुनर्वास के लिए काम कर रही हैं। इनमें से 2000 लोग पूरी तरह से निरक्षर हैं। "शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से, आरएसएस के स्वयंसेवक उन्हें पढ़ना-लिखना सिखा रहे हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि नक्सलवाद पर विजय के लिए क्षतिग्रस्त गांवों का पांच साल के भीतर समृद्ध आदिवासी समुदायों में पुनर्निर्माण करना आवश्यक है, अमित शाह ने एक संरचनात्मक बदलाव की ओर इशारा किया, जहां दुग्ध क्षेत्र और वन उत्पादों की संयुक्त शक्ति अभूतपूर्व स्थानीय रोजगार सृजित करेगी।

गृह मंत्री ने कहा कि आज वास्तव में एक ऐतिहासिक दिन है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मात्र छह महीनों के भीतर, यह केंद्र, जो वर्तमान में केवल एक सरकारी पहल प्रतीत होता है, स्थानीय आदिवासियों की उपस्थिति और हंसी से जीवंत हो उठेगा।

संपादकीय

बात-बेबात और विवाद

इसमें दो राय नहीं कि देश के प्रतिष्ठित व शीर्ष पदों पर विराजमान व्यक्तियों को अपने संस्थानों व सार्वजनिक मंचों पर अपनी बात रखने में अतिरेक में सावधानी बरतनी चाहिए। उससे निकलने वाले शब्दों के अर्थों के कई मायने निकाले जा सकते हैं। ऐसी ही चर्चा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के हालिया बयानों को लेकर हुई। बताया जाता है कि एक अधिवक्ता द्वारा सीनियर का दर्जा दिए जाने के बाबत दायर याचिका पर खिन्न मुख्य न्यायाधीश ने प्रासंगिक संदर्भ में जो कहा, उसको लेकर सवाल उठे। बताया जा रहा है कि ह्यउन्होंने मौखिक तौर पर कहा कि समाज में पहले से ऐसे परजीवी हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं, और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं... कुछ युवा ऐसे हैं, जो रोजगार नहीं मिलने और पेशे में जगह न बना पाने के कारण 'कॉकरोच' की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उसमें से कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं।' निश्चय ही हाल के वर्षों में संपादक विहीन सोशल मीडिया में लोगों के अराजक व्यवहार को देखते हुए यह भले ही यह सत्य न हो, कुछ लोग इसे अर्धसत्य बताते हैं। लेकिन न्याय व्यवस्था के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति से इस विषय पर संवेदनशील ढंग से अभिव्यक्ति की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, बाद में जस्टिस सूर्यकांत ने 'कॉकरोच' वाले बयान पर कहा है कि 'मीडिया ने उनके शब्दों को गलत ढंग से पेश किया।' उन्होंने अपनी मौखिक टिप्पणी के बाबत कहा कि उनकी बातों को इस तरह पेश किया गया जैसे उन्होंने देश के युवाओं की आलोचना की हो। उनका कथन था कि उनकी टिप्पणी केवल उन लोगों के खिलाफ थीं, जिन्होंने फर्जी या नकली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे पेशों में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य सम्मानित पेशों में घुस आए हैं, इसलिए परजीवियों की तरह हैं। उनका इशारा न्यायापालिका पर होने वाले अनुचित हमलों की तरफ था। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जाने वाली सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानूनी डिग्रियों की प्रमाणिकता पर संदेह है। लेकिन इसके साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों, सोशल मीडिया से जुड़े लोगों व सोशल एक्टिविस्ट ने सीजेआई की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दी हैं। राज्यसभा में एक राजद सांसद ने सार्वजनिक चिट्ठी लिखकर मुख्य न्यायाधीश की भाषा को लेकर चिंता जतायी। उनका कहना था कि बेरोजगारों, आरटीआई कार्यकताओं, मीडिया कर्मियों और असहमति व्यक्त करने वालों की तुलना 'कॉकरोच' व 'परजीवी' से करना लोकतंत्र की मूल आत्मा और उसकी बुनियादी संवैधानिक संस्कृति को आहत करने वाला लगता है।

चिंतन-मनन

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास। ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें। पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भीषण गर्मी की मार से झुलसता भारत

कांतिलाल मांडोत

देश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। राजस्थान से लेकर गुजरात महाराष्ट्र ओडिशा उत्तरप्रदेश बिहार झारखंड मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश तक गर्म हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग लगातार चेतावनी जारी कर रहा है कि दिन के समय धूप और लू से बचें क्योंकि तापमान कई इलाकों में 42 से 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर में 48.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड होने के बाद पूरा पश्चिमी भारत मानो आग की भट्टी में बदल गया है।

राजस्थान इस समय देश का सबसे गर्म राज्य बना हुआ है। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर फलोदी जोधपुर और बीकानेर में भी तापमान 45 डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने बाड़मेर जैसलमेर और जोधपुर में रेड अलर्ट जारी कर लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। हालात इतने खराब हैं कि जालोर में गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई। बिजली उपकरणों के ओवरहीट होने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। दूसरी ओर जैसलमेर में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का समय बदलना पड़ा ताकि जवानों को तेज धूप और लू से राहत मिल सके। अब पुलिसकर्मी सुबह और शाम की शिफ्ट में काम कर रहे हैं।

गुजरात में भी स्थिति कम गंभीर नहीं है। उत्तर और दक्षिण गुजरात में हीटवेव के कारण लोगों की दिनचर्या बदल गई है। अहमदाबाद सूरत राजकोट और वडोदरा जैसे शहरों में दोपहर के समय बाजार सूने दिखाई देते हैं। लोग सुबह जल्दी और शाम को ही बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने बच्चों बुजुर्गों और मजदूरों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़कों पर ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। लोग लस्सी छाछ नींबू पानी और बर्फ के गोलों से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में भी सूरज आग बरसा रहा है। नागपुर अकोला और विदर्भ के कई हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। खेतों में काम करने वाले किसान और निर्माण कार्यों में लगे मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ओडिशा और आंध्रप्रदेश में समुद्री नमी के कारण उमस भी बढ़ गई है जिससे लोगों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बिहार झारखंड और उत्तरप्रदेश में भी लू ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं बल्कि पशु पक्षियों पर भी दिखाई दे रहा है। पेड़ों के नीचे जानवर छांव तलाशते नजर आते हैं जबकि पक्षी पानी की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। कई जगह सामाजिक संगठनों और छात्रों ने परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था शुरू की है। यह पहल गर्मी के इस कठिन समय में संवेदनशीलता का उदाहरण बन रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल गर्मी का स्वरूप और अधिक खतरनाक होता जा रहा है। जंगलों की कटाई बढ़ते प्रदूषण और अनियोजित शहरीकरण ने तापमान को और बढ़ाया है। शहरों में कंक्रीट और डामर की सड़कों के कारण गर्मी अधिक महसूस होती है। जल स्त्रोतों के सूखने और भूजल स्तर गिरने से समस्या और गंभीर बन रही है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं।

लू और भीषण गर्मी से बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर को कपड़े या टोपी से ढंकना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए बार बार पानी पीना जरूरी है। छाछ लस्सी नींबू पानी नारियल पानी और ओआरएस जैसे पेय पदार्थ शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि शरीर को कम गर्मी लगे। खाली पेट बाहर नहीं निकलना चाहिए और अधिक तला भुना भोजन खाने से बचना चाहिए।

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि उन पर लू का असर जल्दी होता है। घरों में खिड़कियों और दरवाजों को पर्दों से ढंककर रखना चाहिए ताकि गर्म हवा अंदर न आए। पशुओं और

पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आना तेज बुखार उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए क्योंकि यह हीट स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं।

देश के सामने यह गर्मी केवल मौसमी संकट नहीं बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी भी है। तेजी से बदलता मौसम यह संकेत दे रहा है कि प्रकृति के साथ लगातार हो रहे खिलवाड़ का असर अब सीधे लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। सरकारों को जल संरक्षण हरित क्षेत्र बढ़ाने और प्रदूषण कम करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। साथ ही लोगों को भी पेड़ लगाने पानी बचाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है। यदि अभी से गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में गर्मी का यह संकट और विकराल रूप ले सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ भारत के लिए महत्वपूर्ण

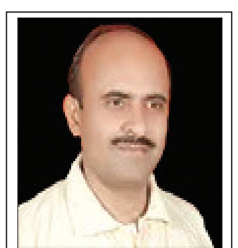

कमलेश पांडेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (LPG) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है।

दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल 'तेल खरीदने वाला देश' नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है।

इसके मायने ये निकलते हैं कि पाकिस्तान की पारंपरिक खाड़ी पकड़ कमजोर होगी और भारत की अरब देशों में स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। इससे रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग का विस्तार भी होगा।

तीसरा, यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग

को मजबूत करना चाहता है। विशेषकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है। इसलिए इस पहल के अपने रणनीतिक मायने हैं।

चौथा, चीन और अमेरिका दोनों को संतुलित संदेश देने के लिए पीएम मोदी का यह दौरा 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति का हिस्सा भी है, इससे अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से संबंध, अरब देशों से सामरिक निकटता, यूरोप के साथ तकनीकी सहयोग, चीन के प्रभाव का संतुलन बढ़ेगा। चूंकि भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बल्कि स्वतंत्र वैश्विक शक्ति है।

पांचवां, भारत को निवेश हब बनाने की कोशिश यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ सकता है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब' बनाने की रणनीति से जुड़ा है।

छठा, घरेलू राजनीति के संकेत के नजरिए से दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ पीएम मोदी जनता से ईंधन बचाने, विदेशी यात्राएं कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद बड़े वैश्विक दौरे कर रहे हैं। इसका राजनीतिक संदेश यह जाएगा कि कठिन वैश्विक समय में सक्रिय नेतृत्व पीएम दे रहे हैं और भारत संकट में भी वैश्विक केंद्र बना हुआ है। इससे पीएम मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि मजबूत होकर चमकेगी।

सातवां, भारत की वैश्विक छवि निर्माण के दृष्टिकोण से यह दौरा यह दिखाने का प्रयास भी है कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, व्यापार और सुरक्षा में निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है। विशेषकर G20 के बाद भारत अपनी 'विश्व नेतृत्व' छवि को स्थायी बनाना चाहता है। इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं, क्योंकि इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना रहेगी। साथ ही रक्षा-तकनीकी सहयोग विस्तार से वैश्विक

प्रभाव में वृद्धि होगी। भारत की यह नई चाल चीन के लिए यूरोप और खाड़ी में भारत की सक्रियता चीन के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। जबकि पाकिस्तान के लिए खाड़ी देशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता रणनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। वहीं, यूरोप के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत की अहमियत बढ़ेगी। जबकि अमेरिका के लिए भारत एक आवश्यक रणनीतिक साझेदार बना रहेगा, भले ही वह पूरी तरह अमेरिकी धड़े में न जाए।

निष्कर्ष यह निकलता है कि पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

समुद्र की बेचैनी, बाजार की गर्मी और भारत की ऊर्जा चुनौती

पश्चिम एशिया संकट,तेल-गैस की बढ़ती कीमतें, उर्वरक दबाव और भारत की रणनीतिक तैयारी पर केंद्र सरकार की बड़ी तस्वीर...

विश्व की राजनीति जब युद्ध,तनाव और सामरिक प्रतिस्पर्धा के रास्ते समुद्रों तक पहुँच जाती है,तब उसका असर केवल सीमाओं और कूटनीतिक मंचों तक सीमित नहीं रहता।उसका कोप आम आदमी की रसोई, अन्नदाता किसान के खेत,उद्योगों जगत की मशीनों और देश की अर्थव्यवस्था तक महसूस होता है।आज पूरी दुनिया कुछ ऐसी ही स्थिति का सामना कर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री मार्गों पर मंडराते खतरे और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में जारी अस्थिरता ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई चिंता में डाल दिया है।ऐसे में पी आई बी ,भारत सरकार द्वारा आयोजित आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस इसी बढ़ते संकट और उससे निपटने की राष्ट्रीय तैयारी पर केंद्रित रही।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति,उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश बन चुका है ,लेकिन विडंबना यह है कि अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल भारत आयात करता है।यही नहीं, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत भी आयात के माध्यम से पूरी होती है।इन आयातों का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुँचता है।इसलिए जैसे ही पश्चिम एशिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है,उसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगता है।भारत ने समय रहते ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीतिक कदम उठाए हैं।देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है।इसके अतिरिक्त लगभग 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक तथा पर्याप्त नेचुरल गैस भंडारण भी मौजूद है।सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल,डीजल,एलपीजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से कार्य कर रही है।हालाँकि सरकार की इस आश्वस्ति के बावजूद वैश्विक बाजार की अस्थिरता का असर भारत में दिखाई देने लगा है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुँच गई है। कुछ माह पहले तक यही कीमत 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी हुई थी।तेल की कीमतों में इस तेज वृद्धि ने सरकार और आम उपभोक्ता दोनों की चिंता बढ़ा दी है।कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सबसे सीधा असर पेट्रोल और डीजल पर

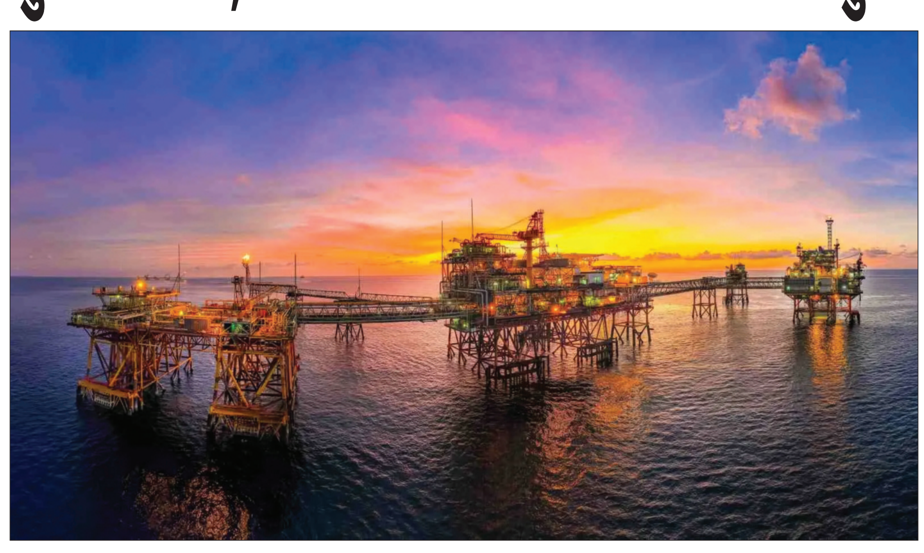

दिखाई देता है।हाल के दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में पेट्रोल लगभग 97 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 90 रुपये प्रति लीटर के आसपास पहुँच गया। यह वृद्धि केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहती।परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न,फल-सब्जियों, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी प्रभावित होती हैं।सबसे अधिक चिंता समुद्री मार्गों को लेकर व्यक्त की गई।पश्चिम एशिया का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज विश्व ऊर्जा व्यापार की धुरी माना जाता है।दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़े पैमाने पर एलएनजी का व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है।भारत के लिए यह मार्ग और भी महत्वपूर्ण है,क्योंकि देश के तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।वर्तमान तनाव को देखते हुए भारत ने अपने आयात स्त्रोतों और समुद्री मार्गों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है।आज भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जबकि वर्ष 2006-07 में यह संख्या केवल 27 थी।रूस,अमेरिका,कनाडा,ब्राजील, अफ्रीकी देशों और अन्य वैकल्पिक बाजारों से आयात बढ़ाकर भारत ने पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।सरकार के अनुसार अब लगभग 70 प्रतिशत तेल आयात वैकल्पिक मार्गों और नए स्त्रोतों से किया जा रहा है।यही कारण है कि संकट की स्थिति के बावजूद भारत में ऊर्जा आपूर्ति बाधित नहीं हुई।भारतीय नौसेना और समुद्री सुरक्षा एजेंसियाँ खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।इस संकट का प्रभाव केवल पेट्रोलियम तक सीमित नहीं है।इसका बड़ा असर उर्वरक क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है।भारत का उर्वरक उद्योग मुख्यतः नेचुरल गैस आधारित है।यूरिया उत्पादन में गैस प्रमुख कच्चा माल होती है। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतें बढ़ती हैं,वैसे-वैसे उर्वरक उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है।खरीफ सीजन नजदीक होने के कारण यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी।इसके लिए सरकार ने उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित की है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू पीएनजी और सीएनजी उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति दी जा रही है,जबकि उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत और उर्वरक क्षेत्र को लगभग 70 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जा रही है।यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि घरेलू रसोई,सार्वजनिक परिवहन और कृषि क्षेत्र पर संकट का न्यूनतम असर पड़े। सरकार ने यह भी संकेत दिए कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त उर्वरक आयात की व्यवस्था की जा सकती है । सरकार ने जमाखोरी और कृत्रिम संकट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए हैं कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अफवाहों पर तुरंत कार्रवाई हो।

ऊर्जा संकट का असर केवल घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता।इसका सीधा प्रभाव विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर भी पड़ता है।भारत जितना अधिक महंगा तेल खरीदेगा,उतना अधिक विदेशी मुद्रा व्यय होगी। यही कारण है कि सरकार ने ऊर्जा आयात बिल को नियंत्रित करने के लिए कई समानांतर रणनीतियों पर कार्य शुरू किया है।भारत अब केवल आयात आधारित ऊर्जा मॉडल पर निर्भर नहीं रह सकता। देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसी सोच के तहत एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम,ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, बायो फ्यूल,सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जा रही है।

भारत ने एथेनॉल मिश्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कुछ वर्ष पहले जहाँ पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1-2 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत के आसपास पहुँचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।इससे न केवल तेल आयात पर निर्भरता घटेगी,बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।इसी प्रकार सरकार ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा शक्ति बनाने का प्रयास कर रही है।यदि भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सफल होता है तो भविष्य में वैश्विक तेल संकटों का असर काफी हद तक कम किया जा सकेगा।लेकिन वर्तमान संकट यह भी बताता है कि ऊर्जा केवल आर्थिक विषय नहीं है।यह राष्ट्रीय सुरक्षा,खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा विषय बन चुका है। यदि तेल महंगा होता है तो ट्रांसपोर्ट महंगा होता है।ट्रांसपोर्ट महंगा होता है तो खाद्यान्न महंगे होते हैं।गैस महँगी होती है तो उर्वरक महंगे होते हैं। उर्वरक महंगे होते हैं तो खेती की लागत बढ़ती है।जब खेती की लागत बढ़ती है,तब अंततः उसका असर देश की आम जनता पर पड़ता है।यही कारण है कि आज की यह प्रेस वार्त्ता केवल एक सरकारी ब्रीफिंग नहीं थी,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा,आर्थिक स्थिरता और भविष्य की रणनीति का व्यापक संकेत भी थी।केन्द्र सरकार ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि भारत स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पश्चिम एशिया का तनाव लंबा खिंचता है तो भारत की चुनौतियाँ और बढ़ सकती हैं।अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत यदि 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर स्थिर रहती है तो महंगाई, आयात बिल और वित्तीय घाटे पर गंभीर दबाव पड़ सकता है।हालॉकि भारत की स्थिति कई देशों की तुलना में बेहतर मानी जा रही है।मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार,तेजी से बढ़ती रिफाइनिंग क्षमता,विविध आयात स्त्रोत और रणनीतिक भंडारण ने भारत को अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में रखा है। लेकिन आने वाला समय भारत की ऊर्जा नीति और आत्मनिर्भरता की परीक्षा भी होगा।आज जब समुद्रों में तनाव है,तब भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न केवल तेल खरीदने का नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का है।यह समय केवल संकट प्रबंधन का नहीं, बल्कि दूरदर्शी ऊर्जा नीति बनाने का भी है।पश्चिम एशिया का यह संकट भारत को एक बड़ा संदेश दे रहा है - ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।आने वाले वर्षों में भारत जितनी तेजी से वैकल्पिक ऊर्जा, घरेलू उत्पादन और रणनीतिक भंडारण की दिशा में आगे बढ़ेगा,उतना ही वह वैश्विक ऊर्जा राजनीति के झटकों से स्वयं को सुरक्षित रख पाएगा।आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्त्ता में यह तो स्पष्ट कर दिया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी दे दी कि दुनिया की बदलती ऊर्जा राजनीति आने वाले समय में हर देश की आर्थिक और रणनीतिक दिशा तय करने वाली है।भारत इस चुनौती को अवसर में बदल पाता है या नहीं,यह तो अभी अतीत के गर्भ में है,जो आने वाले समय बताएगा।

अपहरण की घटना का पुलिस ने किया अनावरण, 3 अभियुक्त गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- थाना रजबपुर पुलिस ने अपहरण की घटना का सफल अनावरण करते हुए 3 अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया और अपहृत युवक को सकुशल बरामद किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में विजेन्द्र सिंह प्रजापति, धर्मेन्द्र और योगेश पाल उर्फ रवि शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना रजबपुर पुलिस ने यह सफलता हासिल की। पुलिस टीम ने अभियुक्तों के कब्जे से 2 तमंचा, 2 खोखा कारतूस, 2 जिंदा कारतूस, 3 मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार, अपहृत दीपांशु चौहान पुत्र अमर सिंह निवासी ग्राम मुस्तफापुर नवादा थाना नौगावां सादात जनपद अमरोहा को अभियुक्तों ने अपहरण कर लिया था। पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि अभियुक्तगण अपहृत को लेकर क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर गिरफ्तारी का प्रयास किया गया तो अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी गई। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में अभियुक्त विजेन्द्र सिंह प्रजापति और धर्मेन्द्र के पैर में गोली लगने से घायल हो गए,

जबकि तीसरे अभियुक्त योगेश पाल उर्फ रवि को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में कार्यवाहक थाना प्रभारी नरेशपाल सिंह राणा, उ0नि0 कमलेन्द्र सिंह, उ0नि0 सोनू सिंह, उ0नि0 जितेन्द्र सिंह और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

14 मुकदमों में वांछित शातिर बदमाश सहित 3 अभियुक्त गिरफ्तार

तीन चोरी की गई भैंसों को ले जा रहे थे बेचने, तभी पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान कर लिया गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- थाना सैदनगली पुलिस ने 14 मुकदमों में वांछित शातिर बदमाश सहित 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 3 भैंस, अवैध तमंचा और घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में फूलकुवंर, लुकमान और दानिश कुरैशी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना सैदनगली पुलिस ने यह सफलता हासिल की। पुलिस टीम ने अभियुक्तों के कब्जे से 3 अदद चोरी की भैंस, एक अदद तमंचा .315 बोर, कारतूस और घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन बरामद किया है। अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही प्रचलित है। घटना के अनुसार, पुलिस टीम सकतपुर तिराहा कस्बा सैदनगली पर मौजूद थी, तभी सूचना प्राप्त हुई कि दो गांवों से चोरी की गई 3 भैंसों को चुराने वाले अभियुक्त उन्हें एक छोटे हाथी वाहन में भरकर बेचने हेतु ले जाने वाले हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा हुसैनपुर पुलिया सकतपुर रोड पर चेकिंग प्रारंभ की गई। इसी दौरान एक संदिग्ध छोटा हाथी वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा वाहन रोकने का प्रयास किया गया तो चालक ने वाहन तेजी से पुलिस टीम की ओर बढ़ा दिया, जिससे पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विकास कुमार, व0उ0नि0 दीपक कुमार, उ0नि0 अनिल कुमार त्यागी, उ0नि0 सतेन्द्र नागर और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

नेहरू चिल्ड्रेन हाईस्कूल बदावाला अमरोहा में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान एवं डीएलएसए सचिव/न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास के निर्देशन में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन PLV जयदेव सिहँ द्वारा किया गया तथा सभी का परिचय कराया गया व शिविर का उदेश्य के बारे मै जानकारी दी गयी। शिविर में वक्ता के रूप में उपस्थित महेश सिंह ने छात्र-छात्राओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सेवाओं, विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनों, विजन एवं सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया एवं उसके महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्देशित विशेष लोक अदालत (21 23 अगस्त 2026) के संबंध में जानकारी साझा करते हुए विद्यार्थियों को न्याय व्यवस्था के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान महेश सिंह द्वारा साइबर क्राइम, मोबाइल एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा विवाह कैसे होता है एवं उससे जुड़े कानूनी और सामाजिक पहलुओं की भी जानकारी दी गई। उन्होंने छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल एवं सोशल मीडिया के दुरुपयोग से सावधान रहने के लिए जागरूक किया। शिविर मै वक्ता कुलदीप कुमार ने RTE, RTI, तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी कार्यक्रम में लगभग 110 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर प्रबंधक नानक चंद, प्रधानाचार्य सोनू कुमार, स्टाफ सदस्य कुलदीप कुमार, जयदेव सिंह, महेश सिंह एवं राजेंद्र सिंह उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने शिविर को अत्यंत उपयोगी एवं जागरूकता बढ़ाने वाला बताया।

उद्दिमयो की समस्याओं का हो प्राथमिकता से निस्तारण- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय मासिक उद्योग बन्धु समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने उद्योग बंधुओं की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि उद्योग बंधुओं की किसी भी समस्या में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी प्राथमिकता के साथ उनकी समस्याओं का निस्तारण हो। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बिंदुओं को प्राथमिकता के साथ निस्तारण कराया जाए आज जो बिंदु उठाए गए हैं उनका निस्तारण ससमय हो जाये। उद्योग कर्मियों की समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता से लिया जाए। ढोलक हस्तकलां एसोसिएशन, जय ओम नगर अमरोहा एवं जैकिट छोलक मर्चेन्ट द्वारा सड़क बनावाये जाने सम्बन्धित प्रकरण के निस्तारण हेतु अधिशासी अधिकारी न0पा0प0

अमरोहा को निर्देशित किया गया। मैसर्स संगम मेडिसर्व प्रा0लि0, औद्योगिक विद्युत कनेक्शन की समस्या को सुनकर अधिशासी अभियंता विद्युत में अवगत कराया की ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। मैसर्स सी0एस0 गुप्ता एक्सपोर्ट लि0 के निर्यात उन्मुख्य काष्ठ संस्करण ईकाई को का नीतिगत राहत एवं सुधार सम्बन्धित प्रकरण को निस्तारण करने के लिये सम्बन्धित को आदेशित किया। औद्योगिक भूखण्ड संख्या एफ-24 के उपयोग में आ रही बाधा के निराकरण तथा निर्माण/उत्पादन की समयावधि में विस्तार प्रदान किये जाने सम्बन्धी प्रकरण का निस्तारण ने करने पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। इसी प्रकार मैसर्स एम0जी0ए0 डिजाईन, खसरा नं0-51 मेन्गो ड्राईवलेन ग्राम हटाऊवा दिल्ली रोड जोया, जनपद अमरोहा के स्ट्रीटलाईट की समस्या के निराकरण हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी ने जिलाधिकारी महोदय को उक्त समस्या के लिए सोलर लाइट्स लगवाए जाने को उचित बताया। मैसर्स सुप्रीम पैकेजिंग इण्डस्ट्रीज, खसरा नं0 55, सादुल्लापुर, गजरौला, अमरोहा के इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी में वांछित छूट दिये जाने के सम्बन्धित प्रकरण हेतु अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिये। चौधरी करतार सिंह आई हॉस्पिटल, आजाद नगर, नियर रामाबाई डिग्री कॉलेज, गजरौला, जनपद अमरोहा को सी०एम०ओ० द्वारा सर्टिफिकेट दे दिया गया है। मैसर्स रियलटाईम वायोमेट्रिकस इण्डिया प्रा०लि०, प्लॉट संख्या आई-47 इण्डस्ट्रीयल एरिया गजरौला द्वितीय अमरोहा के ई-मेल दिनांक 11.03.26 द्वारा अपनी इकाई परिसर में जल भराव के सम्बन्धित प्रकरण, मैसर्स रियलटाईम वायोमेट्रिकस इण्डिया प्रा०लि० प्लॉट सख्या आई-47 की समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 योगेंन्द्र कुमार, पीडीडीआरडीएस अम्बरीष कुमार, उपायुक्त उद्योग सहित अन्य संबंधित औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधि बंधु उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर, फैमिली आईडी, की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। डीएम ने निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाते हुए मेगा कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के कार्य में प्रगति लाने के साथ लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर योजना में सभी विभागों को निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन

कराएं और शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करें। आमजन के बीच योजना का प्रचार करते हुए लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, विद्युत संयोजन, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत जिला पूर्ति अधिकारी ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि संकट के दृष्टिगत अभी कनेक्शन नहीं किया जा रहे हैं। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर योगेंद्र कुमार, पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार, सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मरीजों से लिया फीडबैक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ० नितिन गौड़ द्वारा सोमवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम ओ०पी०डी० का गहनता से निरीक्षण किया। ओ०पी०डी० कक्ष संख्या 2 में ऑथोर्पेडि सर्जन, डॉ० कामेन्द्र कुमार एवं डॉ० शाहबाज ताहिर, कक्ष संख्या 3 में डॉ० इकबाल हुसैन, बालरोग विशेषज्ञ तथा मानसिक रोग कक्ष संख्या-4 में डॉ० राहुल बंसल मरीजों को देख रहे थे। जिलाधिकारी द्वारा मरीजों से चिकित्सालय में उपलब्ध दवाईयों एवं बाहरी दवाईयां लिखने के बारे में जानकारी ली गई, जिस पर मरीजों द्वारा बताया गया कि चिकित्सालय में सभी दवाईयां उपलब्ध हैं एवं चिकित्सकों द्वारा बाहर से दवाईयां नही लिखी जा रही है। केवल जेनरिक दवाईयां ही लिखी जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा मरीजों से पर्चा बनने के समय के बारे पूछा गया जिस पर मरीजों द्वारा बताया गया कि ओ०पी०डी० का ऑनलाईन पर्चा बनने में 2 से 3 मिनट का समय लगता है। डॉ० नितिन गौड़ द्वारा आयुष विंग में स्थापित फिजियोथैरेपिस्ट सेंटर का निरीक्षण किया गया। अमित कुमार, फिजियोथैरेपिस्ट से सेंटर पर उपलब्ध मशीनों के बारे में जानकारी ली तथा ओ०पी०डी० के अन्य कक्षों का निरीक्षण किया तथा चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों के अनुपस्थिति के बारे में पूछा। इस पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 एके भंडारी द्वारा बताया गया कि सभी चिकित्सक एवं सभी कर्मचारी उपस्थित हैं। इसके बाद रेडियोलॉजी विभाग का निरीक्षण किया गया। जिसमें एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउण्ड मशीनों की क्रियाशीलता के बारे में जानकारी ली गई। वहां पर उपस्थित डॉ० विजयपाल सिंह, रेडियोलॉजिस्ट ने बताया कि सभी एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउण्ड मशीनें क्रियाशील अवस्था में है तथा एक अल्ट्रासाउण्ड मशीन काफी पुरानी हो चुकी है, जिसे कण्डम कराने की आवश्यकता है। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा इस चिकित्सालय में स्थापित सी०टी० स्कैन तथा आई०पी०डी० में जनरल वार्ड का निरीक्षण किया। जनरल वार्ड में सर्वप्रथम ऑथोपैडिक वार्ड में मरीजों से उपचार एवं मिल रहे खाने के बारे में जानकारी ली। सभी मरीजों द्वारा मिल रहे उपचार एवं खाने के बारे में कोई शिकायत नही की गई। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा महिला जनरल वार्ड का निरीक्षण किया गया तथा नर्सिंग स्टाफ एवं वार्ड ब्वॉय को और ज्यादा सफाई व्यवस्था रखने एवं फुट ऑपरेटेड डस्टबिन का उपयोग करने के निर्देश दिये। इसके उपरान्त जिलाधिकारी डॉ० नितिन गौड़ द्वारा सी०एम०एस०डी० स्टोर का निरीक्षण कर उपलब्ध ई०डी०एल० दवाईयों की जानकारी फार्मासिस्ट ओमजंग बाहदुर पाल से ली। उन्होंने बताया कि 393 ई०डी०एल के सापेक्ष चिकित्सालय में 363 दवाईयां उपलब्ध है। उसके बाद उन्होंने एंटी रेबीज और एंटी वेनम के इंजेक्शन की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। जिस पर फार्मासिस्ट ओमजंग पाल द्वारा पर्याप्त मात्रा में उक्त इंजेक्शन उपलब्ध होने के बारे में जानकारी दी। अन्त में जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा चिकित्सालय के किचन का निरीक्षण किया गया। किचन में भी फुट ऑपरेटिव डस्टबिन के उपयोग एवं हाइजीन को मेनटेन करने के निर्देश दिये।जिलाधिकारी द्वारा बायोमेडिकल वेस्ट का समुचित निस्तारण करने के भी निर्देश दिये। निरीक्षण के समय उनके द्वारा चिकित्सालय द्वारा उपलब्ध कराया जा रही सुविधाओं पर संतोष जताया तथा अधिक से अधिक मरीजों को चिकित्सीय सुविधायें उपलब्ध कराने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को दिये। निरीक्षण के बाद वापसी के दौरान जिलाधिकारी डॉ० नितिन गौड़ की नजर अस्पताल परिसर में बाहर बैठे कमजोर बुजुर्ग पर पड़ी। जिलाधिकारी तुरंत वहीं रुके और बुजुर्ग के पास गए, उनके समक्ष झुककर प्यार भरे स्वर में पूछा बाबा, आप कहाँ से आए हैं? क्या समस्या है? दवाई मिल गई या नहीं? कोई परेशानी तो नहीं? बुजुर्ग ने अपनी समस्या विस्तार से बताई। जिलाधिकारी ने उनकी एक-एक बात बड़े ध्यान से सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बेहतर इलाज सुनिश्चित करें। उनकी सारी दवाइयाँ, जांच और जरूरी सुविधाएँ तुरंत उपलब्ध कराई जाएं। कोई भी कमी न रहे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 एके भंडारी सहित संबंधित अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

द आर्यन्स में पूल पार्टी में आज ब्लू है पानी पानी पर एलकेजी के बच्चों ने किया डांस

अमरोहा (सब का सपना):- जोया के द आर्यंस विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं मनोरंजक पूल पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें किंडर गार्डन अनुभाग से एलट्टकेट्टजीट्ट के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया ' कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन वातावरण में मनोरंजन, आत्मविश्वास तथा सामूहिक सहभागिता का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को जल सुरक्षा एवं अनुशासन के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए सभी को आनंदपूर्वक सहभागिता हेतु प्रेरित किया। पूल क्षेत्र को आकर्षक सजावट, रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया, जिसने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। पूल पार्टी के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न वाटर गेम्स, म्यूजिकल एक्टिविटीज एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों के चेहरों पर उत्साह एवं प्रसन्नता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह तथा अनिल कुमार सिंह निदेशक अमन लिट्ट और गौरव चौधरी ने सयुंक्त रूप से आज के वातावरण में स्वस्थ रहने व मनोरंजन के लिए आवश्यक क्रिया बताते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया ' इस कार्यक्रम के संचालन में चांदनी बत्रा, प्रियांशु तोशी शिवानी गुप्ता एवं नाहिद रहमान ने सहयोग किया इस अवसर पर चांदनी बत्रा, शगुफ्ता हामिद, विनीत कुमार शर्मा, सरिता वर्मा , सुचित्रा, संतोष कुमार, कुमुद, फुरकान सैफी, सचिन शर्मा, सोनू, शिवानी सरोहा, सुनीता चौधरी, रुकैया, ममता, अजीत सिंह, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, शालिनी भारद्वाज, जागृति कौशिक, अभिषेक सुमन, रमनबाला, शैलजा चौधरी, विपिन कुमार,अश्विनी चौधरी,धीरज महलवार, अदिति, अनुज, सिखा आनंद, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, अंजना, शालिनी वर्मा,रचना, हुमा बेबी आदि समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे '

तमंचे, कारतूस, नकदी व मोबाइल समेत तीन अभियुक्त गिरफ्तार

हजरतनगर गढ़ी/सम्भल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने रविवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए लूट की घटना में शामिल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे 315 बोर, चार जिंदा कारतूस, लूटे गए 3600 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन, एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा दो जैकेट बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेश के अनुपालन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सम्भल कुलदीप कुमार के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उपनिरीक्षक जयभगवान सिंह मय पुलिस टीम द्वारा गश्त और वांछित अभियुक्तों की तलाश के दौरान थाना हजरतनगर गढ़ी में दर्ज मुकदमे में प्रकाश में आए अभियुक्त आशीष पुत्र पप्पू उम्र 22 वर्ष, रवि पुत्र सोनू उम्र 21 वर्ष तथा ओमवीर पुत्र चन्द्रपाल उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय चन्दौसी भेज दिया।

राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट-गाइड बच्चों से मिले डीएम, राष्ट्रपति पुरस्कार का लक्ष्य तय करने को किया प्रेरित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के स्काउट एण्ड गाइड के राज्य पुरस्कार प्राप्त बच्चों ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल से भेंट की। इस दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी ने स्काउट एण्ड गाइड से जुड़े पदाधिकारियों एवं बच्चों का परिचय प्राप्त किया तथा स्काउट एण्ड गाइड भवन निर्माण को लेकर चर्चा की। साथ ही जिला कार्यकारिणी की बैठक के स्थान एवं समय का भी निर्धारण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्काउट एण्ड गाइड की समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले बच्चों को बधाई देते हुए उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्काउट एण्ड गाइड के लिए अनुशासन ही जीवन की अमूल्य निधि है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा लखनऊ से प्राप्त राज्य पुरस्कार के प्रमाण-पत्र बच्चों को वितरित किए गए। वहीं लखनऊ में आयोजित नेशनल जम्बूरी से संबंधित प्रमाण-पत्र पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में स्काउट एवं गाइड के बच्चों को वितरित किए गए, जिन्हें पाकर बच्चों ने खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष तिवारी, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त मुरादाबाद मंडल बृजेश कुमार, जिला सचिव उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एवं गाइड डॉ. राजीव कुमार वार्ष्णेय, स्काउट कमिश्नर नरेंद्र, गाइड कमिश्नर संगीता भार्गव, डीओसी गाइड पंकज कुमार, ट्रेनिंग काउंसलर सहित अन्य अधिकारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पांच वाहन सीज

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार और सोमवार को खनन विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना रजपुरा क्षेत्र में अवैध रूप से खनिज परिवहन कर रहे पांच वाहनों को पकड़कर सीज किया गया। खनन विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न मार्गों पर सघन चेकिंग की गई, जिसमें अवैध रूप से खनिज परिवहन कर रहे कुल पांच वाहन पकड़े गए। सभी वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के स्पष्ट निर्देशों के अनुपालन में जनपद में अवैध खनन और अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार निगरानी एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए उक्त वाहनों को पकड़ा गया।

जनपद प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और अवैध परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी तथा किसी भी स्तर पर अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अनुदेशकों को बढ़े हुए मानदेय का शुभारंभ, कलक्ट्रेट सभागार में सम्मान समारोह आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में रविवार को जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में अनुदेशक सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार उर्फ राजू यादव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी तथा माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी के प्रतिनिधि चन्द्रसेन दिवाकर मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुदेशक सम्मान एवं चेक वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और सुना गया। इसके बाद कलक्ट्रेट सभागार में मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अतिथियों का पुष्प एवं पुस्तक भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि अजीत कुमार उर्फ राजू यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाया जाना एक ऐतिहासिक एवं सराहनीय निर्णय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा गांव-गांव तक बेहतर शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में परिषदीय विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था इतनी मजबूत होगी कि अभिभावक निजी विद्यालयों के बजाय सरकारी स्कूलों को प्राथमिकता देंगे।

कार्यक्रम को मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी ने भी संबोधित किया। इस दौरान अनुदेशकों को बढ़े हुए 17 हजार मानदेय के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए।

कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी, शिक्षकगण, अनुदेशक एवं अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाकियू का ब्लॉक मुख्यालय पर धरना, किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा 6 सूत्रीय ज्ञापन

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं और जनपद में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में ब्लॉक मुख्यालय पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। धरने के बाद जिला संगठन मंत्री चौधरी ऋषिपाल सिंह के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता तहसील संरक्षक सेवक सैनी ने तथा संचालन तहसील प्रभारी प्रवेन्द्र यादव ने किया। धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि जनपद में फैले भ्रष्टाचार के कारण किसानों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। तहसील स्तर पर आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र और वारिसान दर्ज कराने में किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आवास योजना, विकलांग पेंशन और विधवा पेंशन जैसी योजनाओं में भी लगातार अनियमितताएं हो रही हैं। जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने कहा कि हर घर नल, हर घर जल योजना के तहत गांवों में सीसी रोड और खड़ंजे तोड़ दिए गए, लेकिन उनकी मरम्मत नहीं कराई गई, जिससे रास्ते जर्जर हालत में हैं। उन्होंने क्षेत्र में फैल रहे रहस्यमयी बुखार पर चिंता जताते हुए गांवों में कीटनाशक दवाओं के छिड़काव और मच्छररोधी दवाओं के वितरण की मांग की। वहीं युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने संभल रेल विस्तारीकरण की मांग उठाते हुए कहा कि इससे समय की बचत होगी, किसानों की फसलों की ढुलाई आसान होगी तथा व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने क्षेत्र में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का विरोध करते हुए कहा कि इससे किसानों के बिजली बिल बढ़ रहे हैं। धरने में गन्ना भुगतान, बिजली कटौती, आवारा पशु और खाद-बीज की कालाबाजारी जैसे मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए।

भाकियू नेताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो संगठन बड़ा आंदोलन करेगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया गया।

धरने में एसडीएम निधि पटेल, खंड विकास अधिकारी प्रेमपाल सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष अरोड़ा, एडीओ पंचायत गुरदयाल सिंह, एसडीओ विद्युत राहुल सिंह, आपूर्ति निरीक्षक अंकित अवस्थी, आपूर्ति निरीक्षक असमोली ललित कुमार, जेई उग्रसेन यादव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

धरने में बड़ी संख्या में भाकियू पदाधिकारी, महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एवं किसान उपस्थित रहे।

संघ को जानो, प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, विजेताओं को किया सम्मानित

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वैभवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विद्यार्थी विभाग द्वारा नगर के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए संघ को जानो प्रतियोगिता का आयोजन नगर के दो केंद्रों पर किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज में राष्ट्र भावना की विचारधारा को जागृत करना तथा विद्यार्थियों में राष्ट्र सेवा के संस्कार विकसित करना रहा। प्रतियोगिता वैकल्पिक उत्तर प्रणाली पर आधारित थी। इसकी तैयारी का मुख्य स्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संघ यात्रा पुस्तिका रही, जिसमें जीवन व्यवहार, संस्कार, सामाजिक सरोकार और भारतीय संस्कृति से जुड़े प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का परिणाम द ट्यूलिप्स स्कूल में पूज्य महापुरुषों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन के बाद घोषित किया गया। प्रतियोगिता का निरीक्षण एवं पुनरीक्षण अत्यंत सावधानीपूर्वक किया गया। प्रथम वर्ग (कक्षा 6 से 8) में ब्रजेश ने प्रथम, विष्टी गौतम ने द्वितीय तथा पूर्वी सक्सेना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं द्वितीय वर्ग (कक्षा 9 से 12) में मृत्युंजय कटारिया प्रथम, उजाला द्वितीय तथा संस्कृति शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। दोनों वर्गों में 10-10 विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में अध्यक्षता संचित अग्रवाल ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में अनुज उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर संघचालक विष्णु शंकर अग्रवाल, नगर कार्यवाह उदय तिवारी, विजय, संजय, पवन कुमार, अजय एवं अभिनव अग्रवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता के संयोजक विद्यार्थी विभाग से उदयज, हनी, पर्व कुमार, सुलभ कुमार, मीरांश कुमार, चंदन कुमार, पिंटू, शौर्य कुमार, शाश्वत एवं वीरुकमल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हरीश कठेरिया ने किया। वहीं डॉ. जयशंकर दुबे, सत्यकाम और मनमोहन ने व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग प्रदान किया।

साइबर सैल की बड़ी कार्रवाई, पीड़ित के 70 हजार रुपये कराए वापस

सम्भल(सब का सपना):- जनपदीय साइबर सैल ने सराहनीय कार्य करते हुए सोमवार को साइबर ठगी के शिकार हुए एक युवक के 70 हजार रुपये वापस कराए। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को बड़ी राहत मिली है। जानकारी के अनुसार चन्दौसी निवासी राजा वार्ष्णेय पुत्र विनोद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने मेट्रो स्टेशन पर घर फोन करने के बहाने उसका मोबाइल ले लिया और फोन लेकर फरार हो गया। कुछ ही देर बाद उसके खाते से 80 हजार रुपये निकल गए। शिकायत मिलने पर जनपदीय साइबर सैल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अज्ञात ठगों के खातों में 70 हजार रुपये होल्ड/फ्रीज कराए और नियमानुसार प्रक्रिया पूरी कर पीड़ित को धनराशि वापस दिलाई। साइबर सैल ने जनपदवासियों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा अपना बैंक खाता नंबर, पिन, ओटीपी और सीवीवी जैसी गोपनीय जानकारी किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा जनपदीय साइबर सैल सम्भल के मोबाइल नंबर 7839875617 पर संपर्क करें।

सेंट एंथोनी इंटर कॉलेज में टीबी जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

असमोली/सम्भल (सब का सपना):- सेंट एंथोनी इंटर कॉलेज, डुगावर, असमोली में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सोमवार को टीबी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आमजन को टीबी रोग के प्रति जागरूक करना तथा समय पर जांच एवं पूर्ण उपचार के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को टीबी रोग के लक्षण, बचाव, जांच एवं सरकार द्वारा उपलब्ध निःशुल्क उपचार सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति को लगातार दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन कम होना, भूख न लगना अथवा लगातार कमजोरी महसूस हो रही हो, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करानी चाहिए। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि टीबी का उपचार पूरी तरह संभव है तथा सरकार द्वारा इसकी जांच और दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। छात्र-छात्राओं को समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने एवं अपने आसपास के लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को टीबी हारेगा, देश जीतेगा का संदेश देते हुए जनभागीदारी के माध्यम से टीबी मुक्त भारत बनाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर मतीन अहमद एवं आशु भाम्बी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने टीबी उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयास करने तथा जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

महंगाई, किसानों की समस्याओं और नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

सम्भल(सब का सपना):- जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी सम्भल द्वारा सोमवार को डीजल, पेट्रोल और घरेलू 5 किलो गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी, महंगाई, किसानों की उपेक्षा तथा नीट परीक्षा में लगातार पेपर लीक होने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नई तहसील स्थित उप जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ तुर्की ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा डीजल, पेट्रोल और घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में लगातार बढ़ोतरी किए जाने से आम जनता, किसान और मध्यम वर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है, वहीं किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही, जिससे खेती-किसानी प्रभावित हो रही है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष शिव किशोर गौतम ने कहा कि नीट परीक्षा में बार-बार पेपर लीक होने से युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर ठोस कार्रवाई करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है और लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार से महंगाई पर नियंत्रण, किसानों को खाद उपलब्ध कराने और परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया तो पूरे जिले में बड़ा आंदोलन चलाया जाएगा। इस अवसर पर कल्पना सिंह, मुशीर खान तरीन, तौकीर अहमद, आरिफ तनवीर, संजीव कुमार साहू, मरगूब आलम, सलमान तुर्की, कोस्तुभ रस्तोगी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेसी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर महीने मोटी कमाई का झांसा देकर करोड़ों की ठगी का आरोप, पीड़ित पहुंचे एसपी कार्यालय

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। सोमवार को शहर और आसपास के क्षेत्रों के दर्जनों लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और कई व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रार्थना पत्र सौंपा। पीड़ितों का आरोप है कि एक संगठित गिरोह ने फर्जी कंपनियां बनाकर लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है। शिकायतकताओं के अनुसार, आरोपियों ने लोगों को हर महीने मोटी रकम और निश्चित मासिक आय का लालच देकर निवेश कराने का काम किया। इसके लिए ऑनलाइन मीटिंग, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत संपर्क का सहारा लिया गया। पीड़ितों का कहना है कि आरोपियों ने लोगों को भरोसा दिलाया कि निवेश की गई रकम पूरी तरह सुरक्षित रहेगी और जरूरत पड़ने पर तुरंत वापस कर दी जाएगी। एसपी को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि फर्जी और कूटरचित कंपनियों के माध्यम से करीब 3000 लोगों से लगभग 25 करोड़ रुपये की ठगी की गई है। निवेश के नाम पर लोगों से बैंक खातों और नकद के जरिए धनराशि जमा कराई गई। बाद में अलग-अलग नामों से नई कंपनियां बनाकर लोगों को भ्रमित किया जाता रहा। पीड़ित ताजुल नवीन ने बताया कि उनसे ह्लफॉरेस्टह्व नाम की कंपनी में निवेश कराया गया था। उन्हें हर महीने सात प्रतिशत आय देने का वादा किया गया था। उन्होंने बताया कि शुरूआत में कुछ भरोसा दिलाया गया, लेकिन बाद में कंपनी का नाम बदल दिया गया और फिर दूसरी-तीसरी कंपनियां सामने आने लगीं। जब लोगों ने अपना पैसा वापस मांगना शुरू किया तो उन्हें धमकियां दी जाने लगीं। पीड़ितों का आरोप है कि आरोपी पैसा मांगने वालों को झूठे मुकदमों में फंसाने और आत्महत्या के केस में जेल भेजने की धमकी देते हैं।

मामले को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। पीड़ितों ने एसपी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और ठगी गई रकम वापस दिलाने की मांग की है। एसपी कार्यालय पहुंचे लोगों में विपिन, विनोद कुमार, शिप्रा भारद्वाज, मोहित कुमार, नृपेन्द्र कुमार, कमल कुमार, सलीम सहित बड़ी संख्या में पीड़ित शामिल रहे।

प्रसूता की मौत के बाद परिजनों का फूटा गुस्सा, निजी नर्सिंग होम पर लगाए गंभीर आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा क्षेत्र में एक निजी नर्सिंग होम में प्रसव के बाद महिला की मौत हो जाने से परिजनों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए परिजनों ने नर्सिंग होम पहुंचकर हंगामा किया और चिकित्सकों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम अलादीनपुर निवासी 23 वर्षीय मोनिका पत्नी अरविंद को 14 मई को प्रसव पीड़ा होने पर स्योहारा के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। उसी दिन महिला की डिलीवरी कराई गई। परिजनों का कहना है कि डिलीवरी के बाद कुछ समय तक महिला की हालत सामान्य बताई जाती रही, लेकिन 16 मई को उसे तेज दर्द और सूजन की शिकायत शुरू हो गई। मृतका के देवर अंकित के मुताबिक महिला की हालत लगातार बिगड़ती रही। आरोप है कि समय रहते सही उपचार नहीं मिलने के कारण स्थिति गंभीर हो गई। इसके बाद 17 मई की रात करीब एक बजे महिला को मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे आईसीयू में रखा गया। उपचार के दौरान 18 मई की सुबह महिला की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन शव लेकर वापस स्योहारा पहुंचे और नर्सिंग होम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। घटना के बाद क्षेत्र में भी चर्चा का माहौल बना रहा।

थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। तहरीर प्राप्त होने पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिजनौर के नाबालिग का कश्मीर में धर्म परिवर्तन, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद गरमाई राजनीति, एसपी के आदेश पर जांच शुरू

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के एक थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बाकरपुर निवासी एक नाबालिग हिंदू बच्चे का कश्मीर ले जाकर कथित तौर पर जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिजनौर के वरिष्ठ भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, बाकरपुर निवासी नट बिरादरी का यह नाबालिग बच्चा काजीवाला क्षेत्र के एक व्यक्ति के पास मजदूरी करता था। आरोप है कि उक्त नियोक्ता काम कराने के बहाने बच्चे को अपने साथ कश्मीर ले गया। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो और एक प्रमाण-पत्र (घोषणा पत्र) सामने आया है, जिसके मुताबिक मरकजी जामिया मस्जिद 'ग्लासडाजी हयहामा' (मनीगाह) में मौलवी कय्यूम आहंगर की मौजूदगी में 15 मई 2026 को इस गैर-मुस्लिम किशोर का नाम बदलकर 'मोहम्मद हमजा' रख दिया गया। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व सांसद/वरिष्ठ भाजपा नेता भारतेंदु सिंह ने कहा कि नाबालिग बच्चे से मजदूरी कराना और उसकी मर्जी या माता-पिता की अनुमति के बिना उसका धर्म परिवर्तन कराना पूरी तरह से गैर-कानूनी और गंभीर अपराध है। उन्होंने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। शिकायत का संज्ञान लेते हुए एसपी बिजनौर ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा त्वरित कदम उठाते हुए पीड़ित बच्चे के माता-पिता को संबंधित क्षेत्राधिकारी (CO) के पास भेजा गया है,

जो इस पूरे मामले की गहनता से तफ्तीश कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बच्चे को सकुशल वापस लाने और घटना के पीछे जिम्मेदार संदिग्धों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

रामगंगा नदी में फंसी थार का वीडियो वायरल, रील के चक्कर में बड़ा हादसा टला

बिजनौर (सब का सपना):- कालागढ़ क्षेत्र स्थित रामगंगा नदी में एक थार गाड़ी के पानी में फंसने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में थार गाड़ी आधी नदी में डूबी दिखाई दे रही है, जबकि आसपास मौजूद युवक उसे बाहर निकालने के लिए मशक्कत करते नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार मामला 17 मई का बताया जा रहा है। कुछ युवक कालागढ़ घूमने और नदी में नहाने पहुंचे थे। इसी दौरान मस्ती और सोशल मीडिया रील बनाने के चक्कर में युवकों ने अपनी थार गाड़ी को नदी के पानी में उतार दिया। शुरूआत में सब सामान्य लगा, लेकिन कुछ ही देर में गाड़ी नदी के गहरे हिस्से में फंस गई और आधी तक पानी में डूबने लगी। गाड़ी को फंसता देख वहां मौजूद अन्य युवक तुरंत मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद थार को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कई लोगों ने घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना को लेकर लोगों ने इसे बड़ी लापरवाही बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी में इस तरह वाहन उतारना कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। वायरल वीडियो के बाद प्रशासन भी सतर्क हो गया है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और पर्यटकों को जागरूक करने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन की ओर से पर्यटकों से अपील की गई है कि नदी और पर्यटन स्थलों पर सावधानी बरतें तथा सोशल मीडिया वीडियो और रील बनाने के चक्कर में अपनी जान जोखिम में न डालें। वहीं स्थानीय लोगों ने भी ऐसे खतरनाक स्टंट पर रोक लगाने की मांग की है।

हाईवे पर अनियंत्रित बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना धामपुर क्षेत्र में शेरकोट-नगीना हाईवे पर शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार करन पुत्र लाल सिंह निवासी ग्राम मानियावाला गढ़ी, थाना अफजलगढ़, जनपद बिजनौर अपनी स्प्लेंडर प्लस बाइक (संख्या वढ20 उए 0707) से ग्राम मानियावाला से ग्राम भटीपुरा थाना नहटौर जा रहा था। बताया गया कि शाम करीब 6:30 बजे शेरकोट-नगीना हाईवे पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। सूचना मिलते ही धामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल सीएचसी धामपुर में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के अनुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है तथा मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- समाजवादी आंदोलन पार्टी द्वारा शिक्षा व्यवस्था में सुधार और निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग को लेकर भारत के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा गया। ज्ञापन जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी चांदपुर के माध्यम से भेजा गया। ज्ञापन में पार्टी पदाधिकारियों ने मांग की कि देशभर के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 12 तक एनसीईआरटी की पुस्तकें अनिवार्य की जाएं तथा सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा बोर्ड और ओपन बोर्ड सहित सभी शिक्षा बोर्डों में समान पाठ्यक्रम लागू किया जाए। उनका कहना था कि एक समान सिलेबस होने से विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम होगा और पुराने कोर्स की किताबें छोटे भाई-बहनों के काम आ सकेंगी।

इसके अलावा ज्ञापन में री-एडमिशन फीस और बिल्डिंग चार्ज समाप्त करने, अभिभावकों को अपनी पसंद की दुकान से स्कूल ड्रेस खरीदने की स्वतंत्रता देने तथा स्कूलों द्वारा टीसी जारी करने में मनमानी रोकने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद कराने तथा सरकारी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया सरल बनाने की भी मांग की, ताकि अभिभावकों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही सरकारी विद्यालयों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और आरटीई के तहत गरीब बच्चों के निशुल्क प्रवेश की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी रखी गई। ज्ञापन में कहा गया कि गरीब बच्चों की सीटों में गड़बड़ी करने वाले संस्थानों पर पांच लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाना चाहिए। इस अवसर पर अकबर नबी इदरीसी (राष्ट्रीय अध्यक्ष), सुनील कुमार चौधरी (प्रदेश सचिव), विकास तायल (राष्ट्रीय अध्यक्ष वैश्य समाज), धर्मवीर सिंह दिवाकर (राष्ट्रीय अध्यक्ष एससी समाज), डॉ. वसीम सिद्दीकी (युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष), ठाकुर प्रमोद कुमार चौहान (प्रदेश सचिव), मुस्तफा इदरीसी, नवाबुद्दीन, तंजीम अहमद अंसारी, सलमान हुसैन, मोहम्मद रफी मकरानी तथा फिरोज इदरीसी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजनौर निवासी प्रोफेसर पर पेपर लीक के नाम पर छात्रा को बहलाने का आरोप, ऑडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के गांव रतनपुर खुर्द निवासी और लखनऊ विश्वविद्यालय में जूलॉजी विभाग से जुड़े प्रोफेसर परमजीत सिंह पर गंभीर आरोप लगने के बाद शिक्षा जगत में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि प्रोफेसर ने एक छात्रा को परीक्षा का पेपर लीक कराने का लालच देकर मिलने का प्रस्ताव दिया। बताया जा रहा है कि इस मामले से जुड़ा एक कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसके बाद मामला तेजी से चर्चा में आ गया। वायरल ऑडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार छात्रा की शिकायत के बाद मामले की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कथित ऑडियो कितना प्रमाणिक है और क्या वास्तव में परीक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी देने के बदले छात्रा पर दबाव बनाया गया था। घटना सामने आने के बाद शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल शिक्षक की गरिमा के खिलाफ है,

बल्कि शिक्षा व्यवस्था की साख को भी गहरा नुकसान पहुंचाने वाला मामला है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खेत में काम कर रहे ग्रामीण पर गुलदार का हमला, इलाके में दहशत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला रहटा बिल्लौच गांव का है, जहां सोमवार सुबह खेत पर काम कर रहे एक ग्रामीण पर गुलदार ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी जाहिद कुरैशी पुत्र हकीम उल्ला सुबह करीब सात बजे अपने खेत पर कार्य करने गए थे। बताया जा रहा है कि खेत की झाड़ियों में घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। गुलदार के हमले से जाहिद लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े और मदद के लिए चीखने लगे। ग्रामीणों की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में मौजूद लोग मौके की ओर दौड़े। लोगों को आता देख गुलदार घायल ग्रामीण को छोड़कर जंगल की तरफ भाग निकला। परिजनों और ग्रामीणों ने घायल जाहिद को तुरंत नजदीकी निजी चिकित्सक के पास भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार गुलदार के हमले में उनके सिर और गर्दन पर गहरे घाव आए हैं तथा काफी रक्तस्राव हुआ है। घटना के बाद रहटा बिल्लौच और आसपास के गांवों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार गुलदार की गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिससे खेतों में जाना भी खतरे से खाली नहीं रह गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में तत्काल पिंजरा लगाया जाए और गुलदार को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

श्मशान घाट में काली माता की मूर्ति क्षतिग्रस्त मिलने से हड़कंप, पुलिस ने की जांच

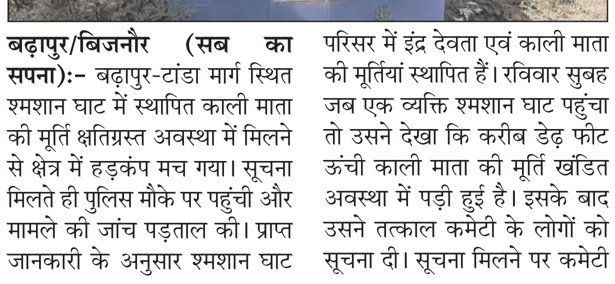

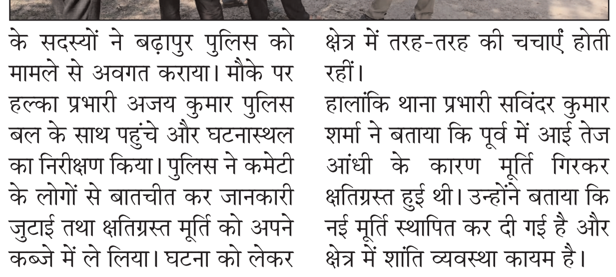

बढ़ापुर/बिजनौर (सब का सपना):- बढ़ापुर-टांडा मार्ग स्थित श्मशान घाट में स्थापित काली माता की मूर्ति क्षतिग्रस्त अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्मशान घाट परिसर में इंद्र देवता एवं काली माता की मूर्तियां स्थापित हैं। रविवार सुबह जब एक व्यक्ति श्मशान घाट पहुंचा तो उसने देखा कि करीब डेढ़ फीट ऊंची काली माता की मूर्ति खंडित अवस्था में पड़ी हुई है। इसके बाद उसने तत्काल कमेटी के लोगों को सूचना दी। सूचना मिलने पर कमेटी के सदस्यों ने बढ़ापुर पुलिस को मामले से अवगत कराया। मौके पर हल्का प्रभारी अजय कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कमेटी के लोगों से बातचीत कर जानकारी जुटाई तथा क्षतिग्रस्त मूर्ति को अपने कब्जे में ले लिया। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं होती रहीं।

हालांकि थाना प्रभारी सविंदर कुमार शर्मा ने बताया कि पूर्व में आई तेज आंधी के कारण मूर्ति गिरकर क्षतिग्रस्त हुई थी। उन्होंने बताया कि नई मूर्ति स्थापित कर दी गई है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

श्रद्धेय बी एन सिंह की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनायी गयी

शामली (सब का सपना):- सोमवार को शामली मे कार्यालय उप निदेशक कृषि के सभागार कक्ष मे राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद इकाई शामली के द्वारा श्रद्धेय बी एन सिंह की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनायी गयी। सभा के अध्यक्ष संजय चपराना रहे। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के समस्त घटक दलो के पदाधिकारियो ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अध्यक्ष संजय चपराना ने कहा कि श्रद्धेय बी एन सिंह ने अपने जीवनकाल में राज्य कर्मचारियो के हितार्थ केन्द्र के समान वेतन व अन्य भत्तो को दिलवाने के लिए कर्मचारी हितार्थ सफलआन्दोलन किये और समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रसार एवं मानव सेवा राज्य कर्मचारी हितार्थ क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका सादा जीवन, उच्च विचार एवं समाज के प्रति समर्पण आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है। सभा में उपस्थित डिप्लोमा इंन्जिनियर महासंघ क्षेत्रीय महामंत्री सोमान्शु मोहन ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बी एन सिंह ने सदैव समाज को एकता, सद्भाव एवं सेवा का संदेश दिया। उनके आदर्शों को अपनाकर ही समाज को नई दिशा दी जा सकती है। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने एवं समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राजीव कुमार शर्मा, अजय तोमर, सोनु कुमार पुण्डीर, जयदेव उपाध्याय, मोहित काम्बोज, नकुल चौहान, नारायण सिंह, दिप्तेश तोमर, अनिल कुमार, अर्जुन राणा, विपिन कुमार, मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

समाजसेवा की मिसाल रहीं स्वर्गीय हेमा वर्मा : नरेश वर्मा स्वर्णकार

पुण्यतिथि पर स्वर्गीय हेमा वर्मा को किया गया याद

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर में मुख्य रूप से संचालित नवदीप सामाजिक विकास संस्था भारत के मुख्य कार्यालय पर संस्था की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की प्रमुख महिला समाजसेवी स्वर्गीय हेमा वर्मा को संस्था के कार्यकताओं ने याद कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्था मुख्यालय पर आयोजित इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रातःकाल हवन यज्ञ किया गया। जहां संस्था के दर्जनों कार्यकताओं ने हवन यज्ञ में आहुति देकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर श्रद्धांजलि सभा एवं उनके जीवन चरित्र पर एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम भी आयोजित हुआ, जिसमें संस्था के कार्यकताओं एवं अन्य सामाजिक व्यक्तियों ने जीवनकाल में जुड़े उनके संस्मरणों को साझा किया। इस दौरान संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश वर्मा स्वर्णकार ने कहा कि स्वर्गीय हेमा वर्मा निःस्वार्थ समाजसेवा की एक मिसाल रहीं। जिन्होंने अपने जीवन काल में जो उल्लेखनीय कार्य किये वह सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणादायी है। शिक्षाविद् चंद्रभान गुप्ता ने कहा कि वर्ष 1979 में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की उनकी सोच, वास्तव में सराहनीय है। समाजसेवी सुंदर हाडा ने एक गीत के माध्यम से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कार्यकताओं ने उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

श्रद्धांजलि देने वालों में संस्था की निदेशक प्राची वर्मा स्वर्णकार, प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली शिवानी वर्मा, प्रदेश संयोजक, जिला उपाध्यक्ष मुकेश मुद्गल एडवोकेट, जिला संयोजक संजय तेवतिया, जिला परियोजना प्रबंधक अशोक कुमार राघव, हरिराम सेन, पंडित घनश्याम शर्मा, राजकुमार वर्मा, दानिश सैफी, विपिन गोयल, राजीव अग्रवाल, रवि गुप्ता, दिलीप कुमार चड्ढा, संजीव तेवतिया, गौरव कुमार आदि अन्य को कार्यकर्ता एवं सामाजिक लोग उपस्थित रहे।

बीआर इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अट्टा के छात्र आर्यांश शर्मा ने NDA लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- बीआर इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अट्टा के छात्र आर्यांश शर्मा ने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन से एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गुलावठी के पीसीएम टॉपर रहे आर्यांश शर्मा ने अब प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) की लिखित परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंशु भाटी ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि आर्यांश की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है तथा यह उसकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। विद्यालय के चेयरमैन अमित नागर ने भी छात्र की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा एवं सही मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।आर्यांश की इस सफलता से विद्यालय, परिवार एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

डी. एन. कॉलेज, गुलावठी में ऊर्जा संरक्षण एवं कार पुलिंग को बढ़ावा देने हेतु बैठक आयोजित

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- डी एन. कॉलेज, गुलावठी , बुलंदशहर में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार की अध्यक्षता में समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्तमान वैश्विक ऊर्जा संकट के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा ऊर्जा संरक्षण के प्रभावी उपायों को अपनाने हेतु सभी को प्रेरित करना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में सम्पूर्ण विश्व ऊर्जा संकट की चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह ऊर्जा संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझे और व्यवहारिक स्तर पर आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान तथा विश्वविद्यालय के निदेशों के अनुपालन में महाविद्यालय परिवार को ऊर्जा बचत के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। प्राचार्य ने सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे दैनिक आवागमन में ह्लकार पुलिंगह्व व्यवस्था को अपनाएं, जिससे ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि यदि एक ही मार्ग पर आने-जाने वाले कर्मचारी सामूहिक रूप से वाहन का उपयोग करेंगे तो इससे पेट्रोल एवं डीजल की खपत में कमी आएगी तथा कार्बन उत्सर्जन भी नियंत्रित होगा।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि महाविद्यालय परिसर एवं कार्यालयों में अनावश्यक रूप से पंखों, लाइटों एवं विद्युत उपकरणों का प्रयोग न किया जाए। उपयोग के पश्चात सभी विद्युत उपकरणों को बंद करने की आदत विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त प्राचार्य ने छोटी दूरियों के लिए पैदल चलने अथवा साइकिल के प्रयोग को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह न केवल ऊर्जा संरक्षण का प्रभावी माध्यम है, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। बैठक में उपस्थित समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने ऊर्जा संरक्षण संबंधी इन सुझावों को व्यवहार में अपनाने का संकल्प लिया तथा महाविद्यालय परिसर को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक एवं उत्तरदायी संस्थान बनाने हेतु पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

अंत में प्राचार्य ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक सामाजिक उत्तरदायित्व है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे स्वयं भी जागरूक बनें तथा समाज को भी ऊर्जा बचत के प्रति प्रेरित करें।

बछरायूं क्षेत्र के लोगों को अब नहीं झेलनी पड़ेगी बिजली की किल्लत,नये आउटर व इनकमर से होगी बिजली आपूर्ति पूरी

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं कस्बे व क्षेत्र की जनता को अब बिजली की कील्लत झेलनी नहीं पड़ेगी क्योंकि बछरायूं बिजली घर पर नए आउटर और इनकमर स्थापित किए गए हैं। जिनकी सहायता से बछरायूं क्षेत्र की जनता को अब मुश्किल वक्त में भी बिजली की किल्लत से निजात मिलेगी। बता दें कि सोमवार को बछरायूं बिजली घर पर तैनात जूनियर इंजीनियर (जे.ई) हरिशंकर व विभाग के एक्शियन नीरज यादव ने बताया कि अब से पहले जो यहां पर आउटर और इनकमर लगे हुए थे वह आए दिन खराब होते रहते थे जिस कारण क्षेत्र की जनता को बिजली के संकट से जूझना पड़ता था, खासकर गर्मियों के दिनों में भीषण गर्मी एवं हल्की-फुल्की हवाओं के चलने से भी लाइनों एवं पैनलों में फाल्ट हो जाते थे जिस कारण बछरायूं क्षेत्र की बिजली हफ्तों तक गुल रहती थी और जनता बिजली न मिलने से बेहाल हो जाती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है विभाग की तरफ से इन सभी परेशानियों को देखते हुए बछरायूं फीडर पर नए पैनल इनकमर और आउटर सहित ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं जिनका काम बछरायूं कस्बे एवं क्षेत्र की जनता को बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से प्रदान करना रहेगा। स्थापित किए गए पैनलों में दो इनकमर, एक आउटर वीसीबी,एक बुस कपलर,एक 33 केवी कंट्रोल पैनल,एक ट्रांसफार्मर 5 एमवी शामिल हैं। जेई हरिशंकर ने बताया कि यह सभी पैनल पहले के मुकाबले अधिक पावरफुल है साथ ही इनमें विशेष बात यह है कि इन पैनलों के द्वारा मुश्किल वक्त में भी बिजली आपूर्ति सुचारू की जा सकती है। वहीं इस दौरान बिजली घर पर पहुंचे बछरायूं कस्बे के वार्ड मेंबरों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर जेई हरिशंकर एवं बिजली विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

डीएम की अध्यक्षता में गौआश्रय स्थलों की जिलास्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में जनपद में संचालित गौ आश्रय स्थलों के सुचारू संचालन के उददेश्य से कलैक्ट्रेट सभागार में गौआश्रय स्थलों की जिलास्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की समीक्षा बैठक आहुत की गई। डीएम ने भीषण गर्मी के दृष्टिगत सभी गौश्रय स्थलों में पेयजल, गर्मी से बचाव के लिए टाट के पर्दे, फॉगर और कूलर की व्यवस्था, चारे एवं शेड की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करा ली जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गौवंश संरक्षण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिन गौशालाओं में गर्मी से बचाव के लिए टाट के पर्दे, फॉगर और कूलर की व्यवस्था नहीं हुई है, कल शाम तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में ग्रीष्म ऋतु में गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंश की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थायें करने, गौ आश्रय स्थलों में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों के डीवीआर की स्टोरेज क्षमता, इंटरनेट कनेक्टिविटी, पावर बैकअप की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने व उनके एंगल इस प्रकार किये जाने कि गौ आश्रय स्थल में हो रही गतिविधियों का सेंट्रल सीसीटीवी कंट्रोल रूम से ठीक प्रकार से अवलोकन हो सके। समस्त सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि भूसा दान और क्रय करने हेतु तत्काल आवश्यक कार्यवाही करें और शीघ्रता से जनपद का लक्ष्य पूर्ण किया जा सके।

गौ आश्रय स्थलों में लगे biogas प्लान्ट के सुचारू संचालन हेतु भी आवश्यक निर्देश दिये गये। मंगरौली, कालाखेड़ा, बरखेड़ा राजपूत तथा मोहम्मदाबाद की क्षमता विस्तार हेतु किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए तेजी लाते हुए कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से चारा उत्पादन कराये जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, सीवीओ डॉ0 आभा दत्त, समस्त बीडीओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में की गई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्टरेट स्थित सभागार में अन्नपूर्णा भवनों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने अवगत कराया कि जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2023-24 में मनरेगा योजना के तहत 66 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया गया। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा योजना के अंतर्गत 70 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 68 अन्नपूर्णा भवनों की भूमि का चयन किया गया था, जिनमें से 63 भवन निमार्णाधीन हैं तथा 5 स्थानों पर निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हुआ है। जिलाधिकारी ने संबंधित एसडीएम को निर्देश दिए कि शीघ्रातिशीघ्र समस्याओं का निस्तारण कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद में ब्लॉकवार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत ब्लॉक जोया, हसनपुर, गंगेश्वरी एवं अमरोहा में 38-38, गजरौला में 36 तथा धनौरा में 37 अन्नपूर्णा भवन बनाए जाने हैं। इस प्रकार कुल 225 अन्नपूर्णा भवन प्रस्तावित हैं। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि शीघ्रता से तहसील स्तरीय चयन समिति के माध्यम से ग्राम पंचायतों का चयन कर भूमि चिन्हांकन कर प्रस्ताव सहित सूचना उपलब्ध कराएं इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के कृषि स्नातक बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बेरोजगार कृषि स्नातकों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन योजना के तहत एग्री जंक्शन केन्द्र स्थापना हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उप निदेशक कृषि डॉ. राम प्रवेश ने बताया कि जनपद अमरोहा के प्रत्येक विकास खंड में एक-एक एग्री जंक्शन केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। आवेदन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए। वही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा महिलाओं को आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी गई है। पात्र अभ्यर्थियों में अधिक आयु वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।पात्रताः कृषि स्नातक, कृषि व्यवसाय प्रबंधन स्नातक अथवा उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध उत्पादन, पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन जैसे कृषि एवं संबद्ध विषयों में आईसीएआर या यूजीसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्रीधारी उम्मीदवार ही आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रियाः इच्छुक अभ्यर्थी https:// agriculture. up.gov.in/ Agrijuction पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं अथवा जन सेवा केंद्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदन पत्र की एक प्रति समस्त शैक्षिक प्रमाण-पत्रों, जाति प्रमाण-पत्र के साथ स्वप्रमाणित करके दिनांक 30.05.2026 सायं 5 बजे तक उप कृषि निदेशक कार्यालय, अमरोहा में जमा करनी होगी। इच्छुक युवा अधिक जानकारी के लिए उप कृषि निदेशक कार्यालय, अमरोहा से संपर्क कर सकते हैं।

दिल्ली में 'मेट्रो मंडे' की शुरूआत: सीएम रेखा गुप्ता ने सचिवालय तक किया सफर, मंत्रियों और अफसरों ने भी अपनाया पब्लिक ट्रांसपोर्ट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष अपील पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मेट्रो मंडे पहल की शुरूआत की। 'मेरा भारत, मेरा योगदान' अभियान के तहत मुख्यमंत्री सोमवार को वीआईपी फ्लीट और सरकारी गाड़ियों को छोड़कर आम नागरिक की तरह पैदल, मेट्रो और फीडर बस के जरिए दिल्ली सचिवालय स्थित अपने कार्यालय पहुंचीं। मुख्यमंत्री के इस आह्वान पर आज दिल्ली सरकार के तमाम मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर दफ्तर पहुंचने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री अपने सिविल लाइंस स्थित आधिकारिक निवास 'मुख्यमंत्री जन सेवा सदन' से पैदल चलकर उपराज्यपाल के 'लोक निवास' में आयोजित बैठक के लिए पहुंचीं। एलजी निवास में बैठक समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पहुंचीं। यहां उन्होंने मंत्रियों के साथ मेट्रो पकड़ी और आईटीओ मेट्रो स्टेशन तक का सफर तय किया। इस दौरान मेट्रो में मौजूद आम यात्री मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर अचंभित और उत्साहित नजर आए। आईटीओ मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलने के बाद मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय स्थित अपने कार्यालय तक पहुंचने के लिए फीडर बस का उपयोग किया।

कैबिनेट मंत्रियों का मिला साथ

इस पूरी यात्रा के दौरान दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा और रविन्द्र इंद्राज भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहे। मंत्रियों ने कहा कि प्रदूषण कम करने और ईंधन संरक्षण के लिए यह केवल एक दिन का सांकेतिक कदम नहीं है, बल्कि यह दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिए एक बड़े नागरिक आंदोलन की शुरूआत है। सचिवालय में दिखा 'मेट्रो मंडे' का व्यापक असर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के इस कदम का असर पूरी दिल्ली सरकार के प्रशासनिक अमले पर देखने को मिला। मुख्यमंत्री के आह्वान पर आज दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के मंत्रियों, सचिवों और निचले स्तर के अधिकारियों ने अपनी निजी व सरकारी कारों को घर पर ही छोड़ दिया। कोई मेट्रो से तो कोई बस और ऑटो से अपने-अपने कार्यालय पहुँचा, जिससे सचिवालय परिसर में आज गाड़ियों की भारी भीड़ की जगह एक अनुशासित माहौल नजर आया।

नेशनल हाईवे किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच में जुटी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे के पास गांव श्रीनगर कनेटा स्थित बांके बिहारी हॉस्पिटल के बराबर सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। बताया जा रहा है कि सोमवार शाम करीब 4 बजे बहजोई कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि हाईवे किनारे एक अज्ञात युवक की बॉडी पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और जांच पड़ताल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ-साथ हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस संदिग्ध परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

गोंद कतीरा से बनाएं 3 डिफरेंट और टेस्टी ड्रिंक्स, गर्मियों में भी रहेंगे कूल-कूल

समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मियों के मौसम में गोंद कतीरा का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। तेज और चिलचिलाती धूप और लू से यह हमारा बचाव करती है। इसमें मौजूद नेचुरल कूलिंग प्रॉपर्टीज हमारे शरीर का तापमान बैलेंस में रखता है। इस मौसम में गोंद कतीरा खाने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और शरीर को भी एनर्जी मिलती है। वहीं गर्मियों में यह डिहाइड्रेशन से भी बचाव करता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और गर्मियों में इसका सेवन रामबाण माना जाता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत बनाने में भी सहयता करता है।

ऐसे में समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको गर्मियों के मौसम में एक बार इस ड्रिंक को जरूर ट्राई करना चाहिए।

पुदीना-नींबू शिकंजी गोंद कतीरा शिकंजी रेसिपी

इस रेसिपी को बनाने के लिए एक बर्तन में गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब एक मिक्सर जार में नींबू, पुदीना, काला नमक, जीरा और चीनी डालकर पीस लें।

फिर इस पेस्ट को एक बर्तन में निकाल लें।

एक गिलास में भीगा हुआ गोंद कतीरा डालें और फिर यह पेस्ट डालें।

इसके बाद ऊपर से ठंडा पानी और जलजीरा डालकर मिक्स करें।

बर्फ के टुकड़े ऊपर से डालकर सर्व करें।

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत रेसिपी

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत बनाने के लिए गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब तरबूज को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

फिर मिक्सर जार में इसको पीस लें।

अब एक गिलास में गोंद कतीरा, तरबूज पेस्ट, तरबूज के कटे टुकड़े डालकर मिक्स करें।

इसके ऊपर से ठंडा पानी, काला नमक और बर्फ डालकर मिलाएं और फिर सर्व करें।

गोंद कतीरा मैंगो शेक रेसिपी

सबसे पहले गोंद कतीरा को कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें।

फिर आम का छिलका हटाकर उसको टुकड़ों में काट लें।

अब एक जार में आम के टुकड़े, दूध और चीनी डालकर शेक बना लें।

इस शेक को एक बर्तन में निकाल लें और इसमें गोंद कतीरा मिलाएं।

इसमे कुछ आम के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स करें।

फिर गिलास में कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से मैंगों शेक डालें।

इस आसान तरीके से गोंद कतीरा मैंगो शेक बनकर तैयार हो जाएगा।

अदरक को लंबे समय तक कैसे करें स्टोर? फ्रेश रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स!

अदरक को आप अपने घर पर ही आसानी से लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप कुछ घरेलू उपाय को अपना सकते हैं।

भारतीय रसोई में अदरक का उपयोग काफी लंबे समय से होता रहा है। चाय हो या फिर कोई अन्य तरह की सब्जियां, इसके बिना स्वाद फीका पड़ जाता है। कई बार अदरक को लोग काफी मात्रा में खरीद लेते हैं, जो समय के साथ खराब होने लगता है। आप अदरक को घर पर आसानी से लंबे समय के लिए भी स्टोर कर सकते हैं, जिससे यह अधिक समय तक ताजा बना रहेगा। इस लेख में हम आपके लिए अदरक को स्टोर करने के लिए एकदम सस्ता उपाय बताने वाले हैं, जिससे आप न सिर्फ अदरक को फ्रेश रख सकते हैं, बल्कि आपको बार-बार इसको मार्केट से खरीदने की भी जरूरत नहीं होगी।

अदरक का पाउडर बनाएं

आप अदरक को सुखाकर पाउडर भी बना सकते हैं। अगर आपके पास अधिक मात्रा में अदरक है, तो उसे सबसे पहले धूप में सुखा लें और इसका पाउडर बना लें। इस तरह आप ड्राई जिंजर पाउडर को आप कई महीनों तक उपयोग कर सकते हैं।

पेपर में लपेटकर फ्रिज में करें स्टोर

अदरक को स्टोर करने के लिए आप पेपर का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप अदरक को सही से धोकर सुखा लें। सूखने के बाद इसे पेपर में लपेटें। अब इसको एक एयरटाइट प्लास्टिक बैग में डालकर फ्रिज में रख दें। इस तरह अदरक करीब एक माह तक फ्रेश बनी रहेगी।

छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर करें स्टोर

अदरक को आप छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर भी स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले इसको कद्दूकस या फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसको एयरटाइट बॉक्स में रखकर फ्रीजर में स्टोर करें। इस तरह यह अदरक लंबे समय तक खराब नहीं होगी।

मिट्टी के बर्तन में करें स्टोर

अदरक को पुराने समय में मिट्टी के बर्तन में स्टोर किया जाता था, जिससे यह लंबे समय तक खराब नहीं होता था। आप भी इस तरह से अदरक को स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप मार्केट से मिट्टी के बर्तन को खरीद लें। आप मटकी का उपयोग कर सकते हैं। इसमें अदरक को सुखाकर रखें। इस तरीके से आप बिना फ्रिज के भी अदरक को कई महीनों तक स्टोर कर सकते हैं।

इस तरह बनाएंगे भरवां करेले तो हफ्तों तक नहीं होंगे खराब

करेले को अगर सही तरीके से न बनाया जाए तो इसका स्वाद बेस्वाद हो सकता है। यहां हम आपके लिए पंजाबी स्टाइल में करेला बनाने की रेसिपी लेकर आए हैं। इसे बनाकर आप करीब 10 दिन तक फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

स्वाद में कड़वा करेला सेहत के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। कोई सेहतमंद होने के लिए इसका जूस पीता है तो किसी को करेले की सब्जी बहुत अच्छी लगती है। विटामिन, मिनरल्स और पोषक तत्वों से भरपूर ये सब्जी यूं तो अमूमन हर घर में बनती है। लेकिन क्या कभी आपने पंजाबी स्टाइल में भरवां करेले बनाए हैं। ये न केवल स्वाद में बेहद टेस्टी होते हैं बल्कि इन्हें लंबे समय तक स्टोर भी किया जा सकता है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

भरवां करेला रेसिपी

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

5-6 करेला

1 बड़ा प्याज बारीक कटा

1 स्पून अमचूर पाउडर

1 स्पून भुना जीरा पाउडर

1 स्पून सौंफ पाउडर

आधा स्पून लाल मिर्च पाउडर

आधा स्पून हल्दी पाउडर

1 स्पून धनिया पाउडर

एक पिंच हींग

नमक स्वादानुसार

तलने के लिए तेल

भरवां करेला बनाने की रेसिपी

पंजाबी स्टाइल में भरवां करेला बनाने के लिए सबसे पहले करेला को हल्का चाकू से छील लें। इसके बाद करेले को धोकर बीच में कट लगा दें। अगर बीज पसंद हैं तो रहने दें। वहीं अगर बीज पके हुए हैं तो इन्हें निकाल दें। इससे करेले में भरावन के लिए जगह बन जाएगी। करेले का कड़वापन दूर करने के लिए नमक लगाकर करीब 2 घंटे के लिए छोड़ दें। करेले के मसाले की तैयारी शुरू करें। इसके लिए सबसे पहले कड़ाही में तेल गर्म करें। फिर इसमें प्याज डालकर भूनें। प्याज के गोल्डन ब्राउन होने तक उसमें हल्दी पाउडर डालें।

फिर धनिया पाउडर, हींग, जीरा पाउडर मिलाएं। इसके बाद सौंफ पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं। खट्टेपन के लिए अमचूर पाउडर डालें। गैस बंद कर दें। अब नमक लगे करेला को दबाकर सारा पानी निकाल दें। करेले में जहां कट लगाया था वहां भरावन भरते जाएं। करेला को अच्छी तरह से दबा दें। ताकि मसाला बाहर न निकले।

जब सारे करेले भर जाएं तब कड़ाही में ऑयल डालें। आप चाहें तो इसे धागे से बांध भी सकती हैं। ताकि मसाला बाहर न निकले। अब तेल डालकर इसे फ्राई कर लें। फिर गैस को स्लो करके कम कर दें और ढ़क दें। बीच-बीच में करेला को पलटते रहें और पूरी तरह फ्राई होने तक पकाएं। दवा कर चेक करें कि ये पका है या नहीं। आप फ्रिज में इसे लंबे समय स्टोर कर सकती हैं।

तेज धूप से हाथों का रंग हो गया है काला तो ट्राई करें ये नुस्खा, तुरंत साफ होगी स्किन

गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है।

बढ़ती धूप की वजह से हमारी त्वचा पर पसीना निकलता है, जिससे हमारी स्किन पर टैनिंग की समस्या सबसे ज्यादा होती है। क्योंकि गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकते हैं, जिससे आपकी त्वचा इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का इस्तेमाल

चेहरे की चमक के लिए हम अक्सर चावल के आटे का इस्तेमाल करते हैं। आप चाहें तो हाथों की टैनिंग के लिए भी चावल के आटे का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसका स्क्रब बनाकर अप्लाई करें। जिससे आपकी स्किन इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का स्क्रब

सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा ले लें।

फिर इसमें थोड़ा सा दही और थोड़ा सा गुलाबजल मिलाएं।

अब इसका पेस्ट बनाकर अपने हाथों पर अप्लाई करें।

इसके बाद 10 मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर किसी गीले कपड़े से हाथों को साफ कर लें।

इससे आपके हाथों की टैनिंग कम होगी।

आप कम से कम 10-15 दिन तक इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

टमाटर का इस्तेमाल

टैनिंग रिमूव करने के लिए टमाटर को सबसे अच्छा माना जाता है और यह इस मौसम में काफी सस्ता भी मिल रहा है। असल, में टमाटर में नेचुरल ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं, जिससे स्किन आसानी से साफ होती है और आप हाथों पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे लगाएं टमाटर

एक टमाटर लेकर इसको काट लें।

अब इसमें थोड़ी सी चीनी लगाएं।

वहीं अब अपने हाथों को रब करना है।

इससे आपकी स्किन इवन नजर आने लगेगी।

इन तरीकों से आप टैनिंग वाले हाथों को साफ कर सकती हैं। इससे आपके हाथ साफ-सुथरे लगेंगे और हाथों पर कालापन भी नहीं नजर आएगा। इस तरह से टैनिंग रिमूव कर सकते हैं। हालांकि इसको अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें। इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि स्किन पर किस चीज को लगाना चाहिए।

मैंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था

शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म में वेदांग रैना के साथ नजर आने वाली हैं और फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें एक्टिंग वर्कशॉप्स काफी पसंद थीं, लेकिन उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।
इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने 11वीं में साइंस स्ट्रीम ली थी क्योंकि उनका सपना सिविल इंजीनियर बनने का था। उनके पिता बिल्डर हैं और मां इंटीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्ट, इसलिए उन्हें लगा कि वही रास्ता उनके लिए सही रहेगा। शरवरी ने कहा, 'मैंने कभी अपने पैरेंट्स को एक्टिंग के लिए मनाने की कोशिश नहीं की, क्योंकि वो हमेशा मेरे सपनों के साथ खड़े रहे। कॉलेज के दौरान मैंने एक टैलेंट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और उसे जीतने के बाद मुझे ऑडिशन मिलने शुरू हो गए।' हालांकि शुरुआत में उन्होंने इसे सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट की तरह लिया, लेकिन उनके माता-पिता ने एक्टिंग के लिए उनका जुनून महसूस कर लिया था। शरवरी ने बताया, 'एक दिन मेरे पैरेंट्स ने मुझसे पूछा कि क्या तुम एक्ट्रेस बनना चाहती हो? उस पल सबकुछ बदल गया। मैंने कभी खुद से भी यह बात खुलकर नहीं कही थी, लेकिन जब उन्होंने पहली बार इसे जोर से कहा, तब मुझे हिम्मत मिली। मैं हर रात यह सपना देखती थी, लेकिन खुद से भी स्वीकार नहीं कर पाती थी।' शरवरी ने कहा कि उस सवाल के जवाब में उन्होंने सिर्फ 'हां' कहा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

करुप्पु के लिए तृषा और सूर्या ने कितनी फीस चार्ज की

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित फिल्म 'करुप्पु' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जानिए कि 'करुप्पु' के लिए तृषा कृष्णन, सूर्या और बाकी पांच अभिनेताओं ने कितनी फीस ली है।

तृषा कृष्णन

'थग लाइफ' में आखिरी बार नजर आईं तृषा कृष्णन की फिल्म 'करुप्पु' रिलीज हो गई है। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित इस एक्शन ड्रामा फिल्म में तृषा एक वकील की भूमिका में हैं। सूर्या के साथ मुख्य भूमिका निभा रहीं तृषा ने इस फिल्म में अपने रोल के लिए 5 करोड़ रुपये फीस ली है।

सूर्या

फिल्म में सूर्या डबल रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में सबसे ज्यादा फीस फिल्म के मुख्य अभिनाता सूर्या ने ली है। इस एक्शन फिल्म में सूर्या- सरवनन और करप्पुस्वामी की भूमिका निभाते नजर आए। सूर्या ने इस फिल्म के लिए 45 करोड़ रुपये की भारी भरकम फीस ली है।

आरजे बालाजी

आरजे बालाजी ने न सिर्फ 'करुप्पु' का निर्देशन किया है, बल्कि इसमें अभिनय भी किया है। बालाजी अपनी इस फिल्म में एक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे,

जिसका नाम बेबी कन्नन है। उन्होंने इसके लिए 4 करोड़ रुपये फीस ली है।

योगी बाबू

ज्यादातर साउथ फिल्मों में अपनी दमदार कॉमेडी से सभी को हंसाने वाले योगी बाबू फिल्म 'करुप्पु' में सहायक कलाकार की भूमिका में से एक हैं। 'करुप्पु' के लिए योगी बाबू ने 2 करोड़ रुपये फीस ली है।

बाकी कलाकारों की फीस

'करुप्पु' के लिए नट्टी सुब्रमण्यम, इंद्रन्स और स्वासिका जैसे शानदार कलाकारों ने भी अपनी भूमिकाओं के लिए लाखों-करोड़ों की फीस ली है। मोहनलाल की फिल्म 'पैट्रियट' में आखिरी बार नजर आए इंद्रन्स की अगली फिल्म 'करुप्पु' के लिए 80 लाख रुपये लिए हैं। स्वसिका ने 'थम्मुडु' और 'रेट्रो' जैसी कई फिल्में की हैं। 'करुप्पु' में, अभिनेत्री की सहायक भूमिका है, जिसके लिए उन्होंने 40 लाख रुपये चार्ज किए हैं।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर रकुल प्रीत सिंह का बयान

आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने आईएएनएस संग बातचीत में अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। आईएएनएस से बात करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए।'' रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।'' रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।''

मेरे कई रोल स्टारकिड्स को मिल गए

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अभी सिर्फ फिल्म का एक गाना सामने आया है, जिसे पसंद किया जा रहा है। इस बीच कृति ने अपने ड्रीम रोल के बारे में बात की।
इस दौरान कृति ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर और संघर्षों को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें लंबे समय तक सिर्फ निराशा हाथ लगी और मनचाहे किरदार नहीं मिले। लेकिन बाद में 'मिमी' ने उनके लिए सबकुछ बदल दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि कुछ भूमिकाएं ऐसी थीं जिनके मैं बहुत करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंततः वे स्टार किड्स को मिल गईं, जो मेरे बस में नहीं था। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो आपको बहुत अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। यह चलता रहा, इस दौरान मैंने जोखिम उठाए और अधिक सोच-समझकर फैसले लिए। मैंने हर मौके को अपनी मेहनत से कमाया है। मुझे कुछ भी आसानी से नहीं मिला। एक दौर ऐसा भी था जब कुछ भी काम नहीं कर रहा था और सब कुछ उलझन भरा लग रहा था। हालांकि, मैं उस दौर के लिए आभारी हूं, क्योंकि इसने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि मैं क्या नहीं करना चाहती। असफलताएं आपको सफलता से कहीं अधिक सिखाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति अब 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रेखा की बायोपिक करना चाहती हैं कृति

बातचीत में जब कृति सेनन से पूछा गया कि वह किसकी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहेंगी, तो कृति के मन में सिर्फ एक ही नाम था- रेखा। रेखा के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि उन्होंने जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीया है। इसलिए मुझे वह बेस्ट लगती हैं। मुझे पता है कि मैं उनके जैसी बिल्कुल नहीं दिखती, लेकिन मैं उनसे प्यार करती हूं। उनका दिल, उनका साहस, उनका व्यक्तित्व। वह मिलनसार, बुद्धिमान हैं।

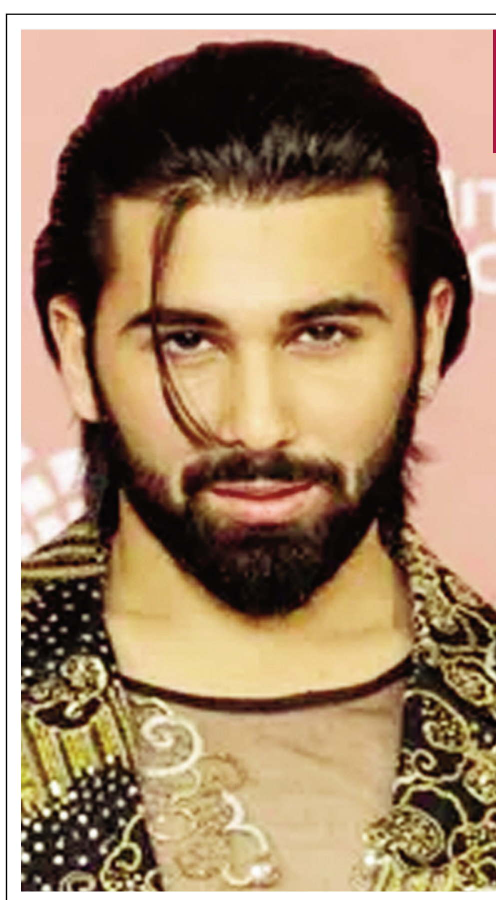

इंटरनेट वाला ओरी और असली, जिंदगी वाला ओरी अलग नहीं है

इंटरनेट सेंसेशन, बॉलीवुड पार्टियों के परमानेंट गेस्ट और सोशल मीडिया के सबसे रहस्यमयी चेहरों में शामिल ओरी अब 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगे। लेकिन शो से पहले उन्होंने बातचीत में साफ कह दिया कि लोग उन्हें जितना पार्टी बॉय समझते हैं, वे उससे कहीं ज्यादा हैं।

ओरी का कहना है कि लोग अक्सर सोचते हैं कि सोशल मीडिया वाला ओरी सिर्फ कैमरों के लिए बनाया गया एक कैरेक्टर है। लेकिन उनके मुताबिक ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक ही ओरी है। लोग सोचते हैं कि इंटरनेट वाला ओरी और असली जिंदगी वाला ओरी अलग होंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं नकली रूप बनाकर नहीं जीता। लेकिन हां, यह पहली बार है जब मैं इतने लंबे फॉर्मेट में लोगों के सामने रहूंगा। इसलिए सच कहूं तो मैं खुद भी उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि दबाव, डर और मुश्किल हालात में मेरा कौन सा रूप बाहर आता है। शायद लोग पहली बार मुझे ग्लैमर और फिल्टर्स के बिना देखेंगे'।

उम्मीद है कि रोहित को भी मेरी वाइब पसंद आए

अपने कॉन्फिडेंस को लेकर ओरी बिल्कुल भी पीछे नहीं हटे। उनका कहना है कि उनके बारे में हर चीज अपने आप में एंटरटेनमेंट है। 'मुझे सच में लगता है कि मेरे बारे में हर चीज एंटरटेनिंग है। चाहे मेरी एनर्जी हो, मेरी पर्सनैलिटी हो, मेरा बोलने का तरीका हो या मेरे रिएक्शंस... लोग मुझे नजरअंदाज नहीं कर सकते। शायद यही वजह है कि बिना कुछ समझाए भी लोग लगातार मेरे बारे में बात करते रहते हैं। बस उम्मीद है कि रोहित शेट्टी को भी मेरी वाइब पसंद आए।'

लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता

जब ओरी से पूछा गया कि वह इस शो के जरिए लोगों की कौन सी राय बदलना चाहते हैं। तो उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि मैं कमजोर हूं। सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं ग्लैमरस लाइफ जीता हूं, पार्टियों में दिखता हूं, लक्जरी पसंद करता हूं..., लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता। लेकिन ताकत सिर्फ मसल्स या गुस्से में नहीं होती। कभी-कभी सबसे मजबूत लोग वही होते हैं जो दबाव में भी खुद को खोते नहीं हैं। और शायद खतरों के खिलाड़ी में लोग पहली बार वो देखेंगे।'

मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं... खिलाड़ी भी हूं

शो साइन करने की वजह बताते हुए ओरी ने कहा कि वह सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने नहीं आए हैं। 'मैंने खतरों के खिलाड़ी सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने के लिए साइन नहीं किया। मैंने यह शो इसलिए किया क्योंकि मैं दुनिया को दिखाना चाहता हूं कि मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं। मैं खिलाड़ी भी हूं।'

लोगों ने मुझे इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया

अपनी वायरल इमेज को लेकर ओरी ने बेहद विवादित बयान दिया। उनका कहना है कि लोगों ने उनके बारे में जो धारणा बना ली है। वह उनकी खुद की बनाई हुई नहीं है। 'लोगों ने मेरी यह इमेज बनाई है। लोगों ने मुझे मिस्ट्री बॉय बना दिया, सेलिब्रिटी बेस्ट फ्रेंड बना दिया, इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया। लेकिन मैंने कभी खुद को उस तरह पेश नहीं किया। मजेदार बात यह है कि लोग पहले आपको एक कैरेक्टर बनाते हैं...फिर उसी कैरेक्टर को जज भी करने लगते हैं। अगर ऑडियंस अब मेरा कोई दूसरा साइड देखेंगे, तो मुझे उससे कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि वह इमेज उनकी बनाई हुई थी, मेरी नहीं।'

मुझे रेप्टाइल्स से नहीं... हारने से डर लगता है

आखिर में जब ओरी से पूछा गया कि उन्हें सबसे ज्यादा डर किस चीज से लगता है, तो उनका जवाब बेहद सीधा था। 'मुझे रेप्टाइल्स से डर नहीं लगता। मुझे खतरनाक स्टंट्स से डर नहीं लगता। लेकिन हां... मुझे हारना पसंद नहीं है, क्योंकि एक बार अगर लोगों को लगने लगे कि आप हार गए हो, तो वो आपको गंभीरता से लेना बंद कर देते हैं। और मैं कभी वो इंसान नहीं बनना चाहता।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।